रीवा
07 जून 2026 रविवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मद्रास हाईकोर्ट ने फैसलों में देरी पर सवाल उठाए

कहा- सुप्रीम कोर्ट की अपनी टिप्पणियों का पालन नहीं करेगा तो बुरा असर पड़ सकता है

चेन्नई,एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि चुनाव याचिकाओं के निपटारे में देरी लोकतंत्र को कमजोर कर सकती है और देश को तानाशाही की राह पर ले जा सकती है। जस्टिस जी. जयचंद्रन ने बुधवार को 2016 के राधापुरम विस चुनाव विवाद पर फैसला सुनाते हुए कहा, जनप्रतिनिधित्व एक्ट, 1951 की धारा 86(7) के तहत चुनाव याचिकाओं का निपटारा छह महीने में होना चाहिए।

यदि अदालतें मोहम्मद अकबर मामले में सुप्रीम कोर्ट की अपनी ही टिप्पणियों का पालन नहीं करेंगी, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। कोर्ट ने अन्नाद्रमुक के आईएस इनबादुरई का 2016 का चुनाव रद्द कर डीएमके नेता तथा तमिलनाडु विस के पूर्व अध्यक्ष एम. अप्पावु को 2016-21 के लिए राधापुरम से निर्वाचित घोषित किया। इनबादुरई 49 वोट से जीते थे, लेकिन पुनर्गणना में कोर्ट ने अप्पावु को 109 वोट से विजेता माना।

अन्नामलाई की नई पार्टी से 10 लाख लोग जुड़े

लॉन्च के 10 घंटे के भीतर रजिस्ट्रेशन समर्थन में तमिलनाडु भाजपा उपाध्यक्ष ने भी इस्तीफा दिया

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के अनुसार, आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के भीतर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

सीबीएसई 12वीं की वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन की अंतिम तारीख आज 7 जून

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा की आंसर शीट के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 6 जून से बढ़ाकर 7 जून कर दी है। बोर्ड के मुताबिक, यह फैसला छात्रों को ज्यादा समय देने और पोर्टल पर सामने आई तकनीकी समस्याओं को देखते हुए लिया है। सीबीएसईने 2 जून को पोस्ट-रिजल्ट दिक्कतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इसके बाद कई छात्रों ने आंसर शीट देखने और वेरिफिकेशन, री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करने के दौरान कई दिक्कत आने की शिकायत की थी। दूसरी तरफ बोर्ड ने पोर्टल पर साइबर हमलों के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है।

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

अभिजीत बोले- हिंदू-मुसलमान की राजनीति करने से नौकरी नहीं मिलती

कहा- हम कीड़े-मकोड़े सही, लेकिन अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने में सक्षम हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया।

पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि पिछले दस-बारह वर्षों से लोगों को हिंदू-मुस्लिम राजनीति में उलझाकर रखा गया। उन्होंने कहा कि केवल हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करने से देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिला है।

पार्टी ने अपने सामाजिक माध्यमों पर जारी संदेश में कहा कि सरकार की नजर में वे भले ही कीड़े-मकोड़े हों, लेकिन वे जीवित हैं और अपने अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए संघर्ष करने में पूरी तरह सक्षम हैं। अभिजीत दीपके के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। इनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी और युवा मौजूद रहे। कई बुजुर्ग भी अपने बच्चों के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए।

अभिजीत दीपके शनिवार सुबह अमेरिका से नई दिल्ली पहुंचे थे। वहां से वे सीधे जंतर-मंतर पहुंचे और प्रदर्शन में शामिल होकर आंदोलन का नेतृत्व किया।

प्रदर्शन के दौरान 6 लोग हिरासत में...

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रदर्शन के समर्थकों और विरोधियों के बीच तनाव हो सकता है। इसी के चलते कुछ लोगों को एहतियाती हिरासत में लिया गया।

मौसम विभाग का बड़ा अलर्ट

यूपी, बिहार और दिल्ली समेत 17 राज्यों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी

नई दिल्ली,एजेंसी। देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली-एनसीआर सहित देश के 17 राज्यों के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश, वज्रपात और 50 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने की आशंका है।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश: पहाड़ी इलाकों में तेज आंधी के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थानः धूलभरी आंधी के साथ छिटपुट बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत: केरल, कर्नाटक, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय है, जिसके चलते यहां अत्यंत भारी बारिश का दौर जारी रहेगा।

केरल में भारी बारिश, पांच जिलों में रेड अलर्ट: केरल के कई हिस्सों में शुक्रवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए और शाखाएं टूटकर गिर गईं, जिससे कई वाहनों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार के लिए राज्य के पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों में वर्षा और अधिक तीव्र हो सकती है। इसे देखते हुए शनिवार के लिए मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं, रविवार को मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड जिलों के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली यूपी में तूफान आंधी का अलर्ट... दिल्ली और आसपास के इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। धूलभरी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। यूपी के करीब 22 जिलों में मौसम विभाग ने आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। राज्य के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश होगी, हालांकि कुछ शहरों में उमस और तपिश का असर भी बना रह सकता है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव से भारत नाराज

कहा- इससे अवैध कब्जा वैध नहीं होगा

» 7 जून को 24 सीटों पर वोटिंग

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में 7 जून को होने वाले विधानसभा चुनावों का कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि पाकिस्तान जिस क्षेत्र पर अवैध और जबरन कब्जा किए हुए है, वहां चुनाव कराने की उसकी योजना पूरी तरह अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, जिसमें गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। इसलिए पाकिस्तान को उन क्षेत्रों में किसी भी तरह की राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का कोई अधिकार नहीं है। चुनाव कराने जैसी गतिविधियां वहां की जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकतीं।

साढ़े पांच साल बाद हो रहे चुनाव... गिलगित-बाल्टिस्तान में साढ़े पांच साल बाद चुनाव हो रहे हैं। इससे पहले यहां नवंबर 2020 में चुनाव हुए थे, जिनमें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) ने जीत हासिल की थी। यहां का कार्यकाल 5 साल का होता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में रविवार को 10 जिलों की 24 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। यह भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा है। हालांकि, यह पाकिस्तान के कब्जे में है।

'फायरिंग मामले में खान सर सरेंडर नहीं करेंगे'

वकील बोले: अग्रिम जमानत याचिका दायर करेंगे एफआईआर गलत; उनकी वजह से गोली नहीं चली

खान सर पर हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट में एफआईआर...

टीचर पर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पटना पुलिस की 5 गाड़ियां रातभर अलग-अलग वक्त पर खान सर की कोचिंग में पहुंची, लेकिन 24 घंटे बाद भी गिरफ्तार नहीं कर पाई। स्टूडेंट्स भी रातभर कोचिंग के बाहर बैठे रहे।

पटना,एजेंसी। ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे। उनके वकील अरविंद कुमार महुआर ने बताया, 'खान सर के सरेंडर करने का कोई चांस नहीं है। उन्हें बेल लेने की जरूरत पड़ सकती है।

मेरे क्लाइंट की वजह से फायरिंग नहीं हुई है। पुलिस ने एफआईआर में कुछ भी लिख रखा है। खान सर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि गोली चलाओ में देख लूंगा। जमानत याचिका दायर कर रहे हैं। शनिवार को कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने का वक्त खत्म हो गया था। हम लोग सोमवार को इसे दाखिल करेंगे। खान सर के गार्ड्स प्रदीप और तारकेश्वर की जमानत के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अनुराग वर्मा की अदालत में याचिका दाखिल की गई है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी।'

पुलिस गाड़ी से बार-बार अनाउंस करती रही- 'हट जाइए, लौट जाइए', लेकिन स्टूडेंट्स रातभर डटे रहे। खान सर को जानने वालों का कहना है कि वो कोचिंग के अंदर ही मौजूद हैं। टीचर के गार्ड्स ने पुलिस को बयान दिया- उन्होंने हमें कहा तुम गोली चलाओ, बाकी हम देख लेंगे। इसी आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ बीएनएस की धारा 109 के तहत केस दर्ज किया है। इसमें अग्रिम जमानत भी नहीं मिल सकती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की जीडीपी वृद्धि को मजबूती का प्रतीक बताया

पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा

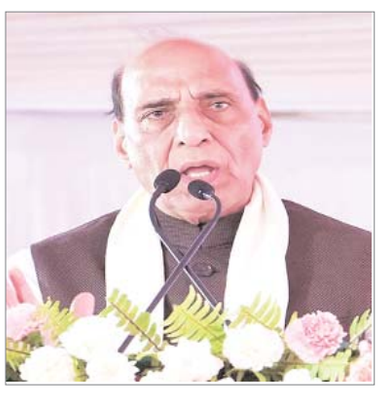

रक्षा मंत्री ने एस पर या लिखा? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'ऐसे समय में जब कई देश आर्थिक अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी और चौथी तिमाही में यह रफ्तार बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12वर्षों में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है।'

नई दिल्ली,एजेंसी। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी के 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आर्थिक प्रगति की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह भारत की मजबूती और उस ठोस आधार को दिखाता है, जिसे पिछले 12 वर्षों में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है।

इस दौरान, रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक विकास के साथ-साथ स्थिरता, आत्मविश्वास, टिकाऊपन और विश्वसनीयता को भी आगे बढ़ाया है। राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता पर उनका ध्यान और अभूतपूर्व वैश्विक चुनौतियों के बीच देश को सही दिशा देने की उनकी क्षमता ने भारत को एक आत्मविश्वासी, मजबूत और दुनिया भर में सम्मान पाने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।' राजनाथ सिंह ने आगे लिखा, 'जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत' के विजन की ओर बढ़ रहा है। विकास की यह शानदार कहानी नए अवसर पैदा कर रही है। 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों को मजबूत कर रही है।'

मणिपुर पुलिस का बड़ा एशन, कई उग्रवादी गिरतार

» WY टैबलेट समेत प्रतिबंधित सामान जत

नई दिल्ली। मणिपुर पुलिस ने एक ऑपरेशन में सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और कई प्रतिबंधित सामान जब्त किया है। 4 जून को, पुलिस ने टेंग्नौपाल जिले के मोरेह पुलिस स्टेशन के तहत बीपी 81 इलाके से 'वैली-बेस्ड इंसर्जेंट ग्रुप्स' के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान निंगथौजम थौरंगबा उर्फ डिंगकू उर्फ गोरो, मोमोचा सिंह उर्फ पाइखोम्बा के तौर पर हुई।

पुलिस ने कई उग्रवादियों को किया गिरफ्तार: अगले दिन, 5 जून को सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के हियांगलाम पुलिस स्टेशन के तहत वाबागाई थिंगेल लीकाई के रहने वाले हुइड्रोम बॉयबॉय सिंह को गिरफ्तार किया, जो पीपल्स लिबरेशन आर्मी का एक्टिव मेंबर था।

दिल्ली होटल आग हादसा: रसोइया गिरफ्तार, यही सबसे पहले भागा था

होटल मालिक 15 दिन तिहाड़ जेल में रह चुका

» बांग्लादेशियों के जाली दस्तावेज बनवाए थे

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में आग लगी थी। पुलिस ने हादसे की जांच के लिए होटल के रसोइए केशव नेगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आग रसोइए की लापरवाही से लगी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रसोइए केशव ने ही बताया था कि ग्राउंड फ्लोर पर बने रेस्टॉरेंट के किचन में बिजली से चलने वाला चूल्हा था। इसमें विस्फोट के बाद ही आग लगी, जो पूरे होटल में फैल गई थी।

मालवीय नगर के हौजरानी फ्लोरिश स्टे B&BO में आग 3 जून को सुबह करीब 8.30 बजे लगी और तेजी से पांच मंजिला संकरी इमारत में फैल गई थी। मरने वालों में 21 लोग शामिल थे। इनमें 13 विदेशी भी थे। पुलिस का कहना है कि होटल के पास दिल्ली सरकार की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' पॉलिसी के तहत सिर्फ 6 कमरों की इजाजत थी, लेकिन वहां 25 कमरे चल रहे थे, जिनमें से कुछ बेसमेंट में भी बने थे।

म.प्र. सिविल सेवा के नए नियम

2 से अधिक बच्चे है तो नहीं कर सकेंगे सरकारी नौकरी

» प्रोबेशन के 6 माह बाद कोई एशन नहीं तो ऑटो परमानेंट होंगे

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश सरकार सिविल सेवा नियमों में बड़ा बदलाव करने जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 2026 का नया मसौदा (ड्राफ्ट) जारी कर दिया है। इसकी सबसे बड़ी बात यह है कि सरकारी नौकरी के लिए दो से अधिक बच्चों की पाबंदी को बरकरार रखा गया है, जबकि पिछले साल खुद GAD ने ही इस पाबंदी को हटाने का प्रस्ताव तैयार किया था, जिसे मुख्यमंत्री की सैद्धांतिक सहमति भी मिल गई थी, लेकिन नए नियमों में सरकार इस फैसले से पलट गई है। बता दें 24 साल पहले साल 2001 में प्रदेश की तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 में संशोधन करते हुए यह प्रतिबंध लागू किया था।

प्रोबेशन और सीनियरिटी के नए फॉर्मूले: सरकार कर्मचारियों की भर्ती, प्रोबेशन और सीनियरिटी से जुड़े नए नियम भी ला रही है। ये राज्य की अधिकांश सरकारी सेवाओं पर लागू होंगे। नए नियमों के तहत अब अगर कोई कर्मचारी प्रोबेशन पीरियड पर है और अवधि समाप्त होने के 6 महीने के भीतर विभाग उसके स्थायीकरण पर कोई निर्णय नहीं लेता तो उसे ऑटोमेटिकली स्थायी मान लिया जाएगा। यदि एक ही साल में सीधी भर्ती, अनुकंपा नियुक्ति और प्रमोशन) से लोग आते हैं तो सीनियरिटी सबसे पहले सीधी भर्ती वाले को, फिर अनुकंपा और आखिर में प्रमोशन वाले को मिलेगी, लेकिन यदि तीनों का नियुक्ति आदेश एक ही तारीख को निकलता है, तो प्रमोटेड व्यक्ति सबसे सीनियर माना जाएगा।

क्या कहता है दो बच्चों वाला नियम?

नए ड्राफ्ट के नियम 5 और 6 के तहत पात्रता और अपात्रता की शर्तें तय की गई हैं। इसके अनुसार- कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतानें हैं और उनमें से किसी एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके बाद हुआ है, वह सरकारी नौकरी के लिए पात्र नहीं होगा।

जुड़वां बच्चों का मामला... यदि किसी का पहले से एक बच्चा है और अगले प्रसव (डिलीवरी) में जुड़वां या उससे ज्यादा बच्चे होते हैं तो वह अपात्र माना जाएगा।

जीवन रक्षा की दिशा में
मध्यप्रदेश की
अभिनव पहल
PAWAN HANS
24/7
पीएमश्री
एयर एम्बुलेंस सेवा
जहां हर पल कीमती हो यह सेवा देती है जीवन की उम्मीद
टोल फ्री नं.
18004199006
सुविधा किसके लिए है
• आपात स्थिति विशेषकर
सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना में गंभीर घायल
• बीमारी की गंभीर अवस्था
नवजात शिशु, बच्चे, अंग प्रत्यारोपण, हृदय संबंधी आदि मामले
शुल्क
• आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर तथा प्रदेश के बाहर शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में निःशुल्क परिवहन
• गैर आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर शासकीय अस्पताल में निःशुल्क लेकिन प्रदेश के बाहर अनुबंधित दर पर परिवहन, विशेष परिस्थियों में निःशुल्क सुविधा
• अनुबंधित दर - ₹ 1,94,500 प्रति घंटा एवं ₹ 1,78,900 प्रति घंटा
एयर एम्बुलेंस में सुविधाएं
• क्रिटिकल चिकित्सा राहत एवं रात्रि परिवहन हेतु अनुभवी एवं दक्ष पायलेट
• उच्च प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल टीम
• वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, कार्डियक केस में लाइफ सेविंग सपोर्ट
निर्बाध सेवा और बैकअप व्यवस्था
• आपातकालीन सेवा के लिए 24×7 एयरक्राफ्ट तैनात
• तकनीकी खराबी या मेंटेनेंस की स्थिति में तुरंत बैकअप
अनुमति कैसे मिलेगी
• चीफ मेडिकल ऑफिसर/शासकीय चिकित्सालय के डीन द्वारा अनुमोदन
• जिला कलेक्टर/कमिश्नर हेल्थ/संचालनालय, चिकित्सा शिक्षा द्वारा स्वीकृति
मरीज को कहाँ ले जाया जा सकेगा
• राज्य के भीतर अथवा राज्य के बाहर सुपर स्पेशलिटी/उच्च चिकित्सा संस्थानों में
D11028/26
बीमा सुरक्षा
• थर्ड पार्टी कवर • हितग्राही बीमा • मेडिकल सुरक्षा प्रावधान
15 सितंबर 2025 को इंदौर में एक ट्रक हादसे में मेरी बेटी संस्कृति बेहद गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे प्राथमिक इलाज के बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से इंदौर से एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा गया, जहां संस्कृति का सफल इलाज हुआ। आयुष्मान कार्ड धारक न होने के बावजूद भी हमारी बेटी का निःशुल्क इलाज संभव हुआ।
- श्री अशोक वर्मा, पिता
अब तक
140 लोगों ने लिया लाभ
50 से अधिक
सफल इमरजेंसी ऑपरेशन
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

वृद्धजनों के बीच पहुंचीं विधायक रीती पाठक, आत्मीय संवाद कर जाना हालचाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी विधायक रीती पाठक ने पनवार स्थित सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम का भ्रमण कर वहां निवासरत वृद्धजनों से आत्मीय संवाद किया इस दौरान उन्होंने वृद्धजनों का हालचाल जाना तथा आश्रम में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की भ्रमण के दौरान विधायक ने वृद्धाश्रम परिसर का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया उन्होंने आश्रम संचालक एवं प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि वृद्धजनों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए साथ ही नियमित साफ-सफाई, गुणवत्तापूर्ण भोजन, समय पर दवाइयों की उपलब्धता तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सत्या सरोवर समाज सेवा संस्थान द्वारा तैयार की गई आकर्षक रंगोली का भी विधायक ने अवलोकन किया और उसकी सराहना की उन्होंने कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं। वृद्धाश्रम भ्रमण के दौरान विधायक श्रीमती रीती पाठक ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी आवश्यकताओं, समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनका सम्मान, सेवा एवं देखभाल करना समाज और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है उन्होंने आश्वस्त किया कि वृद्धजनों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित उपखंड अधिकारी राकेश शुक्ला ने भी आश्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संतोष व्यक्त किया उन्होंने आश्रम के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे सेवा भावना के साथ कार्य करें तथा वृद्धजनों की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए उन्होंने कहा कि आश्रम संचालन को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने की आवश्यकता है भ्रमण के दौरान विश्वबन्धुधर द्विवेदी, पंकज पाण्डेय, पुष्पराज सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे सभी ने वृद्धजनों की सेवा एवं देखभाल के कार्यों की सराहना की। इसी अवसर पर विधायक रीती पाठक आश्रम परिसर में आयोजित एक जन्मदिवस कार्यक्रम में भी शामिल हुईं यह कार्यक्रम श्रावी गुप्ता (पिता मनीष गुप्ता, रामा मेडिकल स्टोर, जोगीपहाड़ी) के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था विधायक ने श्रावी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं प्रगति की कामना की कार्यक्रम के अंत में विधायक ने कहा कि समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और बच्चों के प्रति स्नेह का भाव ही एक स्वस्थ और संस्कारित समाज की पहचान है उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने आसपास के वृद्धजनों की सेवा और देखभाल को प्राथमिकता दें।

गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और टीकाकरण पर विशेष जोर, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर गौरव बैनल ने की इस दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), आयुष्मान भारत योजना, टीबी नियंत्रण तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम से संबंधित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई बैठक में कलेक्टर ने सभी गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत एएनसी (एंटीनटल केयर) पंजीयन एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जिले की कोई भी गर्भवती महिला स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों (बीएमओ) को एएनसी पंजीयन से छूटी महिलाओं की पहचान कर उनका तत्काल पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए उन्होंने जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों के सहयोग से इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर जोर दिया समीक्षा बैठक में एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं की स्थिति पर भी चर्चा हुई कलेक्टर ने समय पर जांच, पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की नियमित निगरानी करने को कहा साथ ही आयरन सुक्रोज समेत आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शत-प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु के प्रत्येक मामले की गहन जांच कर कारणों का विश्लेषण करने तथा समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए बैठक में एम्बुलेंस सेवाओं की भी समीक्षा की गई कलेक्टर ने आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराने पर बल दिया उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान 8 से 18 जून तक चलाए जाने वाले विशेष कैच-अप अभियान पर चर्चा हुई। कलेक्टर ने टीकाकरण से वंचित बच्चों की पहचान कर उनका पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए मलेरिया एवं अन्य मौसमी संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए अग्रिम तैयारियां करने तथा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में कलेक्टर गौरव बैनल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने आरसेटी में प्रशिक्षणार्थियों से किया संवाद, कौशल विकास को बताया आत्मनिर्भरता की कुंजी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी में संचालित सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शनिवार को विशेष अवसर देखने को मिला, जब सांसद डॉ. राजेश मिश्रा संस्थान पहुंचे और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं एवं महिलाओं से सीधे संवाद किया इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण कक्षों का निरीक्षण कर प्रतिभागियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और उनके कौशल विकास के प्रयासों को प्रोत्साहित किया सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित प्रशिक्षण रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों का सशक्त माध्यम बन चुका है उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में सिलाई, ब्यूटी पार्लर जैसे प्रशिक्षणों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं तो न केवल उनका परिवार मजबूत होता है बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास को भी नई दिशा मिलती है प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए सांसद ने शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद बैंक ऋण एवं सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर स्वयं का व्यवसाय शुरू किया जा सकता है उन्होंने युवाओं और महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने कौशल को केवल प्रशिक्षण तक सीमित न रखें बल्कि उसे आजीविका का माध्यम बनाते हुए रोजगार सृजनकर्ता बनें उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव हैं ऐसे प्रशिक्षण न केवल आर्थिक अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास बढ़ाकर समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं सांसद ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को सम्मानजनक आय उपलब्ध कराना है कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण से प्राप्त हो रहे लाभों के बारे में जानकारी दी सांसद ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर लीड जिला प्रबंधक (एलडीएम) अवध बिहारी चौधरी, जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन पुष्पेंद्र सिंह, विभिन्न विकासखंडों के आजीविका मिशन प्रबंधक, आरसेटी के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में आरसेटी के निदेशक शिवेन्द्र कुमार चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

पेपर लीक मामले पर NSUI का हल्लाबोल

फआईआर और दोषियों पर कार्रवाई की मांग, 7 दिन में कदम न उठाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय स्वशासी संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुए प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर शनिवार को एनएसयूआई ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र-छात्राएं कॉलेज परिसर पहुंचे और प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय जांच तथा दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि 3 जून 2026 को आयोजित बीए एवं बीकॉम तृतीय वर्ष की 'इंग्लिश लैंग्वेज एंड कम्युनिकेशन स्किल्स' विषय की परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था जिसके बाद परीक्षा निरस्त करनी पड़ी संगठन ने इसे परीक्षा प्रणाली की गंभीर लापरवाही बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। छात्रों ने जांच पूरी होने तक परीक्षा नियंत्रक एवं परीक्षा समिति को निलंबित करने वर्तमान परीक्षा समिति को भंग कर नई समिति गठित करने तथा प्रश्नपत्र निर्माण एवं वितरण प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की साथ ही जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की भी मांग रखी गई प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार ने बताया कि स्वशासी प्रकोष्ठ की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि संबंधित प्रश्नपत्र से जुड़ी सामग्री कॉमर्स होराइजन नामक यूट्यूब चैनल पर पहले से उपलब्ध थी। उन्होंने कहा कि इससे प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण प्रक्रिया से जुड़े लोगों की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है परिहार ने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो एनएसयूआई व्यापक छात्र आंदोलन शुरू करेगी जिसकी पूरी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रीवा कलाकार फाउंडेशन ने दिया सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रीवा कलाकार फाउंडेशन द्वारा सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के तहत फाउंडेशन के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं समाजसेवियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है वृक्ष न केवल स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन ने मानव सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भीषण गर्मी में कार्यरत राजमिस्त्रियों, श्रमिकों एवं राहगीरों को शीतल शरबत पिलाया तथा बिस्किट वितरित किए इस सेवा कार्य के माध्यम से श्रमिक वर्ग के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और मानवता का संदेश दिया गया उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड क्रमांक 33 की पार्षद नजमा बेगम ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया कार्यक्रम में समाजसेवी कविता पाण्डेय, विकास भाई, संजय तिवारी (मुन्नू भैया), फाउंडेशन अध्यक्ष समीर जी, कलाकार प्रवीण दुबे, जावेद भाई, जफर खान, राहुल (सतना) सहित महिला टीम से मती लवली जी, मती नेहा जी, मती संगीता पटेल, बिट्टू जी, अल्फी, रितिका, शालिनी एवं सैकड़ों युवा साथी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, समाज सेवा एवं जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा हरित, स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस आयोजन ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सेवा, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक संदेश समाज को दिया।

सेमरिया में मेडिकल स्टोर पर प्रशासन का छापा : एक्सपायरी दवाएं बरामद, दुकान सील झोलाछाप डॉक्टर पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सेमरिया बाजार में शनिवार शाम प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मेडिकल स्टोर पर छापा मारा जांच के दौरान दुकान से अमानक एवं एक्सपायरी डेट की दवाएं बरामद की गईं साथ ही मेडिकल स्टोर में अवैध रूप से मरीजों का इलाज किए जाने का मामला भी सामने आया गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर प्रशासन ने मेडिकल स्टोर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। जानकारी के अनुसार कार्रवाई सेमरिया बाजार स्थित श्रीराम मेडिकल स्टोर पर की गई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जब दुकान की जांच की तो वहां बड़ी मात्रा में एक्सपायरी और संदिग्ध दवाएं मिलीं जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि मेडिकल स्टोर में एक व्यक्ति झोलाछाप डॉक्टर के रूप में मरीजों का उपचार कर रहा था वह न केवल मरीजों की जांच कर रहा था बल्कि उन्हें दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन भी लिख रहा था जो स्वास्थ्य नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। बीएमओ डॉ. शिवेंद्र पटेल ने बताया कि विभाग को लंबे समय से क्षेत्र में अवैध दवा बिक्री और बिना अनुमति के इलाज किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई थी इसी के तहत शनिवार को यह छापामार कार्रवाई की गई। जांच में सामने आई अनियमितताओं के बाद प्रशासन ने मेडिकल स्टोर को तत्काल सील कर दिया अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई दवाओं को जांच के लिए भेजा जाएगा रिपोर्ट आने के बाद संबंधित संचालक और अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी कार्रवाई की सूचना मिलते ही सेमरिया बाजार में हड़कंप की स्थिति बन गई। प्रशासनिक टीम के पहुंचते ही कई मेडिकल स्टोर संचालकों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं वहीं श्रीराम मेडिकल स्टोर का संचालक कार्रवाई की भनक लगते ही दुकान छोड़कर फरार हो गया उसकी तलाश की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि जिले में अवैध चिकित्सा गतिविधियों और नियमों के विपरीत दवा बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी यह कार्रवाई क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और जनहित की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गुलाब सागर एमवीएस परियोजना में तेजी लाने के कलेक्टर के निर्देश, 323 गांवों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की महत्वाकांक्षी गुलाब सागर मल्टी विलेज वाटर सप्लाई (एमवीएस) परियोजना के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश कलेक्टर विकास मिश्रा ने दिए हैं कलेक्टर ने निर्माणाधीन इंटेक वेल का निरीक्षण कर परियोजना की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने इंटेक वेल, जल परिवहन व्यवस्था तथा अन्य निर्माणाधीन संरचनाओं का बारीकी से अवलोकन किया उन्होंने कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह परियोजना पूर्ण होने के बाद जिले के 323 ग्रामों के 51 हजार 67 परिवारों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगी इनमें सीधी विकासखंड के 92 ग्राम, मझौली विकासखंड के 100 ग्राम तथा कुसमी विकासखंड के सभी 131 ग्राम शामिल हैं। यह योजना क्षेत्र के ग्रामीण परिवारों के लिए जीवन स्तर सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है परियोजना के अंतर्गत खड्डी में निर्माणाधीन इंटेक वेल से प्रतिदिन 5.47 करोड़ लीटर जल प्राप्त कर गजरी स्थित फिल्टर प्लांट तक पहुंचाया जाएगा यहां जल शोधन के बाद प्रतिदिन 4.33 करोड़ लीटर शुद्ध पेयजल सीधी एवं धौहनी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित किया जाएगा कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है उन्होंने कहा कि यह परियोजना पूरी होने के बाद हजारों परिवारों को न केवल नियमित पेयजल सुविधा मिलेगी, बल्कि जलजनित बीमारियों में भी कमी आएगी और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार होगा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना से जुड़े सभी तकनीकी एवं निर्माण कार्यों की सतत निगरानी की जाए तथा गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि यह परियोजना जिले की सबसे महत्वपूर्ण आधारभूत विकास योजनाओं में से एक है जिसका सीधा लाभ ग्रामीण जनता को मिलेगा निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद, मध्यप्रदेश जल निगम के महाप्रबंधक नीरव अग्रवाल, उप महाप्रबंधक धीरेंद्र शर्मा, मेसर्स कल्पतरु के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि निर्धारित समय-सीमा में परियोजना पूर्ण होने के बाद यह योजना जिले के जल संकट के समाधान में मील का पत्थर साबित होगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान करेगी।

कलेक्टर ने आजीविका मिशन गतिविधियों का किया अवलोकन, महिला समूहों को सशक्तिकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शनिवार को विकासखंड रामपुर नैकिन के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों का विस्तृत अवलोकन किया इस दौरान उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की जानकारी ली तथा आजीविका गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ एवं लाभकारी बनाने के निर्देश दिए भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम कुशमहर में संतोषी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित 'एक बगिया मां के नाम' पहल का निरीक्षण किया उन्होंने हितग्राही रामरति कोल के यहां विकसित बगिया का अवलोकन कर पौधों की देखभाल, संरक्षण एवं जैविक पद्धति से रखरखाव की जानकारी ली कलेक्टर ने महिलाओं को निर्देशित किया कि बगिया के पौधों का नियमित संरक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा भविष्य में इसे और अधिक विस्तार देने की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इस पहल को ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायक प्रयास बताया इस दौरान कृषि सीआरपी शांति साकेत ने गतिविधियों की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम रकेला में स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित जानकी फूड प्रोसेसिंग इकाई का निरीक्षण किया उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता, स्वच्छता, पैकेजिंग एवं उत्पादन प्रक्रिया की सराहना की साथ ही उन्होंने विपणन व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समूह द्वारा निर्मित उत्पादों की आपूर्ति शासकीय आवासीय विद्यालयों एवं अन्य शासकीय संस्थाओं में सुनिश्चित की जाए, ताकि समूह की आय में वृद्धि हो सके और महिलाओं को स्थायी रोजगार के अवसर प्राप्त हों।

धीमे जहर के कारोबारी: मुनाफे के लिये मिलावट घोषित हो अपराध

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों... यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते है पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं।

पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं।

संपादकीय

हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया के चक्कर में फंसी अर्थ -व्यवस्था

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आज देश में एक गंभीर बहस चल रही है। एक पक्ष का मानना है, कि 2004 से 2014 के बीच, विशेषकर 2011 तक, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। उस दौर में भारत की तुलना चीन, अमेरिका, रुस एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ वैश्विक मंचों पर होने लगी थी। सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार ने देश को नई आर्थिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान जब अमेरिका और यूरोप की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ संकट से जूझ रही थीं, तब भारत अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक स्थिति के साथ खड़ा दिखाई दिया। अनेक अर्थशास्त्रियों का मानना था, भारत के विशाल घरेलू बाजार, असंगठित क्षेत्र तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही कारण था, उस समय भारत को वैश्विक आर्थिक क्षेत्र के केंद्र बिन्दू के रूप में देखा जाने लगा था। लेकिन 2011 के बाद भारत का राजनीतिक माहौल तेजी से बदला। भ्रष्टाचार के आरोप, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों तथा अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले जनलोकपाल आंदोलन ने तत्कालीन सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। सरकार की छवि पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। इसमें विदेशी ताकतों का हाथ भी बताया जाता है। कारपोरेट जगत भी मनमोहन सरकार के खिलाफ खड़ा हो गया था। इस तरह से सारा विपक्ष कांग्रेस और मनमोहन के खिलाफ खड़ा हो गया था। अंततः 2014 में सत्ता परिवर्तन हुआ। आलोचकों का आरोप है कि उस समय देश की आडिट रिपोर्ट में लगाए गए कई आर्थिक नुकसान के अनुमान न्यायिक प्रक्रिया में प्रमाणित नहीं हो सके, काल्पनिक आरोपों से तब तक राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदल चुका था।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि पिछले एक दशक में ऐसी नीतियाँ अपनाई गईं, जिनसे बड़े कॉर्पोरेट समूहों को लाभ मिला, जबकि लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। नोटबंदी, जीएसटी के प्रारंभिक क्रियान्वयन और महामारी के प्रभाव ने छोटे व्यवसायों की कमर तोड़ दी। लाखों सूक्ष्म इकाइयाँ बंद हुईं। रोजगार के अवसर सिमटते चले गए। अर्थ- व्यवस्था में एक अन्य चिंता भारत के बढ़ते आयात और घटती विनिर्माण क्षमता को लेकर है। चीन से बड़े पैमाने पर उपभोक्ता वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादों का आयात लगातार बढ़ा है। इसके विपरीत भारत की निर्यात वृद्धि अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाई। इससे व्यापार घाटा बढ़ा है। जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता के दावों पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। बढ़ती बेरोजगारी, महँगाई और घरेलू ऋण चिंता के विषय बने हुए हैं। किसानों को उनकी उपज का मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान कर्जदार और खेती मंहगी होती जा रही है। आम नागरिक की क्रय-शक्ति घट गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न और आवश्यक सेवाएँ लगातार महँगी होती जा रही हैं। दूसरी ओर, शेयर बाजार में तेजी और कॉर्पोरेट मुनाफों के बावजूद आम जनता की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। इससे आर्थिक विकास और सामाजिक वास्तविकताओं के बीच का अंतर बढ़ गया है। आम आदमी की आय में आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया की स्थिति बनी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक नीतियों का केंद्र केवल बड़े निवेश और कॉर्पोरेट लाभ न होकर रोजगार सृजन, लघु उद्योगों का संरक्षण, कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा घरेलू मांग में विस्तार हो। भारत की वास्तविक शक्ति उसके करोड़ों छोटे उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग में निहित है। यदि आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँचता, तो ऊँची विकास दर का सपना- सपना बनकर ही रह जायेगा।

भारत के सामने चुनौती केवल विकास दर बढ़ाने की नहीं, बल्कि समावेशी और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने की है। आने वाले वर्षों में यही तय करेगा कि भारत वैश्विक दौड़ में आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ता है या फिर अवसरों को खोकर नई चुनौतियों में फंसकर रह जाता है।

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं।

ललित गर्ग

ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है।

भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे। राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है। पश्चिम बंगाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य इसी सत्य की पुष्टि करता है। तृणमूल कांग्रेस के सामने चुनौती केवल बगावत या संगठनात्मक असंतोष नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करने की भी है। यदि पार्टी आत्ममंथन करती है, संगठन को लोकतांत्रिक बनाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है और जनभावनाओं को समझने का प्रयास करती है, तो वह अपनी स्थिति को पुनः मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि अहंकार, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। यही लोकतंत्र का शाश्वत सत्य है और यही पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा सबक भी। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, किंतु मूल्य स्थायी होते हैं। राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन जनता की अपेक्षाएँ और राष्ट्र की आवश्यकताएँ हमेशा बनी रहती हैं। जो दल इन अपेक्षाओं को समझते हैं, वे इतिहास बनाते हैं और जो इन्हें अनदेखा करते हैं, वे इतिहास बन जाते हैं। आज बंगाल की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि तृणमूल कांग्रेस आत्मसुधार का मार्ग चुनती है या राजनीतिक पतन की ओर बढ़ती है।

भारत की शक्ति और वैश्विक परिदृश्य-लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स की ताक़त है

गोंदिया-वैश्विक स्तरपर भारत आज केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि यह विश्व के लिए आशा,स्थिरता और अवसरों का केंद्र बन चुका है। भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसे केवल एक राष्ट्र की उपलब्धि कहना कम होगा।यह 21वीं सदी के उस नए युग की शुरुआत है यह स्वतंत्रता के 75 से अधिक वर्षों की यात्रा में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि, लोकतंत्र केवल एक शासन पद्धति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा है। इसके साथ ही,भारत की जनसांख्यिकी और विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स ने उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया है,

किशन सनमुखदास भावनानीं

जहां से वह न केवल अपने नागरिकों के भविष्य को संवार सकता है,बल्कि पूरे विश्व के विकास की दिशा भी तय कर सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, यह लेख तीन मुख्यस्तंभों, लोकतंत्र की शक्ति, जनसांख्यिकीय लाभ और स्किल्ड वर्कफोर्स की क्षमता पर आधारित है, जिनकी वजह से भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच हर रिश्ते को विन-विन सिचुएशन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम भारत की पहली सबसे बड़ी ताकत की करें तो,भारत दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।1950 में संविधान लागू होने के बाद से आज तक भारत ने चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन, नीति निर्माण और नागरिक अधिकारों को जिस मजबूती से कायम रखा है, वह विश्व के लिए उदाहरण है। लोकतंत्र का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक भागीदारी, न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शी शासन की नींव पर खड़ा है। विविधता में एकता इसका सबसे बड़ा परिचायक है, जहां 22 आधिकारिक भाषाएँ, हजारों बोलियाँ, सैकड़ों धर्म-संप्रदाय और अलग-अलग संस्कृतियाँ होने के बावजूद लोग लोकतांत्रिक रूप से एकजुट रहते हैं। भारत का लोकतंत्र वैश्विक कंपनियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है क्योंकि वे जानती हैं कि यहां नीतियाँ पारदर्शी हैं, कानून का शासन है और निवेशकों के हितों की रक्षा की जाती है।दुनिया के कई हिस्सों में अधिनायकवाद और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती है। अफ्रीकी और एशियाई देशों में सत्ता परिवर्तन अक्सर हिंसा और अराजकता का कारण बनते हैं।इसके विपरीत भारत ने अपने लोकतांत्रिक ढांचे से स्थिरता का माहौल तैयार किया है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी कंपनियाँ भारत को सेफ़ हैवन के रूप में देखती हैं। चीन या रूस जैसे देशों में निवेश करने पर राजनीतिक जोखिम अधिक होता है, जबकि भारत में लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ स्थिर रहें और निवेश सुरक्षित रहे। यह लोकतंत्र की वही शक्ति है जो भारत को अलग पहचान दिलाती है।

साथियों बात अगर हम भारत की दूसरी सबसे बड़ी ताक़त की करें तो वह है उसकी जनसांख्यिकी।वर्तमान समय में भारत की आबादी लगभग 1.43 अरब है और इसमें से 65 पेर्सेंट से अधिक लोग 35 वर्ष से कम आयु वर्ग में आते हैं। यह स्थिति भारत को दुनियाँ की सबसे युवा आबादी वाला देश बनाती है। युवा आबादी किसी भी राष्ट्र के लिए ऊर्जा, नवाचार और विकास का प्रतीक होती है। जब यूरोप और जापान जैसे विकसित देश बूढ़ी होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत के पास एक ऐसा डेमोग्राफिक एडवांटेज है जो उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बना सकता है।भारत की युवा पीढ़ी तकनीक अपनाने में सबसे आगे है। वे न केवल नई तकनीकों को अपनाते हैं बल्कि स्टार्टअप्स और उद्यमिता की ओर भी बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है।मेक इन इंडिया,स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएँ इसी युवा ऊर्जा का परिणाम हैं। यह डेमोग्राफिक डिविडेंड भारत को न केवल घरेलू विकास की दिशा में मजबूत बना रहा है बल्कि विश्व के लिए भी अवसर पैदा कर रहा है।भारत की यह जनसांख्यिकी वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। भारत हर साल लाखों इंजीनियर, डॉक्टर और मैनेजमेंट प्रोफेशनल तैयार करता है। यह वर्कफोर्स पूरी दुनिया की ज़रूरतें पूरी करता है। भारतीय पेशेवर आज अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका तक अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यह युवा आबादी उपभोक्ता बाजार के रूप में भी बेहद आकर्षक है। युवा वर्ग नई तकनीकों, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार है। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ भारत को भविष्य का सबसे बड़ा बाजार मानती हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण शक्ति की करें तो वह है उसका विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स। भारत के पास आज दुनिया का सबसे बड़ा स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स पूल है।आईटी, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग, रिसर्च, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में भारतीयों ने अपनी प्रतिभा से पूरी दुनिया में पहचान बनाई है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर वैश्विक आईटी हब के रूप में उभर चुके हैं। भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स अमेरिकी सिलिकॉन वैली की कंपनियों के लिए रीढ़ की हड्डी बन चुके हैं। हेल्थकेयर के क्षेत्र में भारतीय डॉक्टर और नर्स पूरी दुनिया में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान यह साफ दिखाई दिया कि भारतीय मेडिकल प्रोफेशनल्स की क्षमता कितनी विशाल है।मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया अभियान ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है और भारत में उत्पादन का माहौल तैयार किया है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जिसने लाखों रोजगार पैदा किए हैं। यह स्किल्ड वर्कफोर्स केवल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विकास के लिए भी अहम है। साथियों बातें कर हम इन तीनों कारकों,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स,का संगम भारत को विश्व की बड़ी कंपनियों और सरकारों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की करें तो, जब कंपनियाँ भारत में निवेश करती हैं तो उन्हें स्थिर राजनीतिक माहौल, विशाल उपभोक्ता आधार और प्रतिभाशाली मानव संसाधन तीनों एक साथ मिलते हैं। यही कारण है कि एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और टेस्ला जैसी कंपनियाँ भारत को भविष्य का हब मान रही हैं।भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। यह संबंध वास्तव में परस्पर लाभकारी है। भारत को रोजगार, तकनीक और निवेश मिलता है,जबकि कंपनियों को लागत में कमी, स्थिर वातावरण और विशाल बाजार तक पहुंच मिलती है। इस प्रकार यह रिश्ता विन-विन सिचुएशन का प्रतीक बन जाता है।हालांकि भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। शिक्षा और कौशल मेंअसमानता, आधारभूत ढाँचे की कमी, गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। लेकिन भारत सरकार स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, गति शक्ति योजना और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों से इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने का प्रयास कर रही है। यदि ये प्रयास सफल होते हैं तो भारत अपनी जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स का पूरा लाभ उठा सकेगा। अंततः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह स्पष्ट है कि भारत की शक्ति तीन स्तंभों पर आधारित है,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स। ये तीनों मिलकर भारत को न केवल विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना रहे हैं, बल्कि इसे एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार भी बना रहे हैं। भारत का विकास मॉडल शून्य-योग नहीं है, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए अवसर पैदा करता है। आने वाले दशकों में जब दुनिया नए संकटों और अवसरों से गुज़रेगी, तब भारत अपनी लोकतांत्रिक ताक़त, युवा ऊर्जा और स्किल्ड वर्कफोर्स के दम पर पूरे विश्व के लिए आशा और सहयोग का केंद्र बना रहेगा।

गांवों के विकास को मिली नई दिशा, भरतपुर में सरपंचों को पंचायत विकास योजना का विशेष प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण विकास को गति देने और ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत भरतपुर के सभा कक्ष में पंचायत विकास योजना (पीडीपी) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पंचायतों के समग्र, सहभागी एवं योजनाबद्ध विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीप्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों की क्षमता वृद्धि करना तथा उन्हें ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया से अवगत कराना था ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं बनाकर उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान सहायक विकास विस्तार अधिकारी एवं प्रभारी मास्टर ट्रेनर ऋषि कुमार सिंह ने पंचायत विकास योजना तैयार करने की विस्तृत प्रक्रिया की जानकारी दी उन्होंने ग्राम सभा की भूमिका, स्थानीय जरूरतों की पहचान, विभागीय समन्वय तथा पंचायत विकास योजना पोर्टल (पीडीपी पोर्टल) में जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया को सरल और व्यावहारिक तरीके से समझाया उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों के विकास की वास्तविक आधारशिला ग्राम सभा होती है ग्राम सभा के माध्यम से स्थानीय लोगों की जरूरतों और सुझावों को योजनाओं में शामिल किया जा सकता है जिससे विकास कार्य अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनते हैं। उन्होंने सरपंचों से अपील की कि वे ग्राम सभाओं को सक्रिय बनाकर अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों को विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करने, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। प्रशिक्षण में पंचायतों के सतत एवं समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया गया वक्ताओं ने कहा कि योजनाओं का निर्माण स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाएगा तो गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ संपन्न हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से सरपंचों को अपने-अपने ग्रामों की आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर, व्यवहारिक और परिणामोन्मुखी विकास योजनाएं तैयार करने में सहायता मिलेगी।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को राहत का सहारा, प्रशासन ने स्वीकृत किए 12 लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन लगातार संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। इसी क्रम में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में अपर कलेक्टर भरतपुर द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत तीन अलग-अलग मामलों में कुल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है यह राशि प्राकृतिक आपदा राहत मद से मृतकों के वैध वारिसों को प्रदान की जाएगी प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार भरतपुर तहसील के ग्राम छिरहा टोला निवासी फूलबाई की 17 सितंबर 2025 को जहरीले सर्प के काटने से मृत्यु हो गई थी मामले की जांच पूर्ण होने के बाद मृतिका के वैध वारिस रामप्रताप को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है यह सहायता प्राकृतिक आपदा राहत प्रावधानों के अंतर्गत प्रदान की जा रही है इसी प्रकार भरतपुर तहसील के ग्राम कुदरा निवासी गजेंद्र सिंह उर्फ ज्ञानेन्द्र सिंह की 3 जून 2024 को तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी। मामले की जांच के उपरांत मृतक के माता-पिता, भाई-बहनों सहित वैध वारिसों को कुल चार लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है प्रशासन का कहना है कि इस सहायता से परिवार को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्राप्त होगा एक अन्य मामले में ग्राम देवगढ़ निवासी बलमतिया बैगा की 4 दिसंबर 2024 को कुएं में गिरने से डूबकर मृत्यु हो गई थी इस प्रकरण में मृतिका के पति तथा बच्चों को कुल चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है प्रशासन ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। अपर कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राकृतिक आपदा राहत मद से किया जाएगा।

टीकमगढ़ में डायल-112 हीरोज की तत्परता से सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोगों को मिली समय पर सहायता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। टीकमगढ़ जिले के थाना दिगौड़ा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई से सड़क दुर्घटना में घायल दो युवतियों एवं एक युवक को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया इस त्वरित पहल के चलते सभी घायलों को समय रहते चिकित्सकीय सहायता मिल सकी जिससे उनकी स्थिति स्थिर हो पाई प्राप्त जानकारी के अनुसार 05 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना मिली कि थाना दिगौड़ा क्षेत्र अंतर्गत मेन रोड बर्माताल के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है इस हादसे में दो युवतियाँ एवं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे और तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता थी सूचना प्राप्त होते ही डायल-112 का आपातकालीन वाहन तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया मौके पर पहुंचकर डायल-112 स्टाफ सउनि कल्याण सिंह यादव एवं पायलट आशीष यादव ने स्थिति का जायजा लिया और घायलों को प्राथमिक सहायता प्रदान की उन्होंने मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए सभी घायलों को सुरक्षित रूप से वाहन में बैठाकर जिला चिकित्सालय टीकमगढ़ पहुंचाया डायल-112 टीम की इस त्वरित कार्रवाई के कारण घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका चिकित्सकों ने बताया कि यदि समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी समय पर मिली सहायता ने घायलों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई डायल-112 सेवा मध्यप्रदेश पुलिस की एक महत्वपूर्ण आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली है जिसका उद्देश्य संकट की स्थिति में आमजन को त्वरित पुलिस चिकित्सा एवं अन्य आपात सहायता उपलब्ध कराना है इस घटना ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में तेजी और दक्षता के साथ कार्य कर रही हैपुलिस विभाग ने कहा कि डायल-112 की टीम लगातार 24 घंटे सक्रिय रहती है और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है इस तरह की घटनाएं पुलिस की जनसेवा और संवेदनशीलता को और अधिक मजबूत बनाती हैं।

गोवंश से भरा कंटेनर छोड़कर भागा ड्राइवर

शिवपुरी में 28 गोवंश मिले, घायलों को गोशाला भेजा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के दिनारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने गौवंश से भरे एक कंटेनर को पकड़ा है पुलिस की भनक लगते ही चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया कंटेनर से 28 गौवंश बरामद किए गए हैं जिनमें से कई पशु घायल अवस्था में मिले दिनारा थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात थनरा चौकी प्रभारी रामानंद पचौरी को सूचना मिली थी उन्हें बताया गया था कि एक कंटेनर में अवैध रूप से बड़ी संख्या में पशुओं का परिवहन किया जा रहा है सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए वाहन की घेराबंदी कर उसका पीछा किया। पुलिस कार्रवाई के दौरान चालक कंटेनर को मौके पर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया।पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर तलाशी ली। इसमें 26 बैल और 2 गाय सहित कुल 28 गौवंश ठूंस-ठूंस कर भरे हुए पाए गए मौके पर पहुंचे गौसेवक कल्लू तिवारी की मौजूदगी में सभी गौवंश को सुरक्षित बाहर निकाला गया इसके बाद पशुओं को थनरा स्थित गौशाला में सुपुर्द किया गया कंटेनर में अत्यधिक भीड़ के कारण कई पशु घायल हो गए थे जिनके उपचार के लिए पशु चिकित्सक को बुलाया गया।

कुएं में नहाने गया युवक गहरे पानी में डूबा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र के नयागांव गोलाकोट में एक खेत के कुएं में डूबने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई युवक शुक्रवार दोपहर नहाने गया था जिसके बाद वह लापता हो गया था। एसडीईआरएफ और गोताखोरों की टीम ने शनिवार को उसका शव कुएं से बाहर निकाला जानकारी के अनुसार नयागांव गोलाकोट निवासी अमित जाटव (19) शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे झूतरी की पुलिया के पास स्थित एक खेत के कुएं में नहाने गया था नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल खनियाधाना पुलिस को सूचित किया पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से युवक की तलाश शुरू की। शुक्रवार पूरे दिन चले बचाव अभियान के बावजूद अमित का कोई सुराग नहीं मिल सका इसके बाद, एसडीईआरएफ टीम, गोताखोरों और पुलिस ने संयुक्त रूप से खोज अभियान जारी रखा शनिवार को कड़ी मशक्कत के बाद बचाव दल को सफलता मिली और अमित जाटव का शव कुएं से बाहर निकाला गया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया खनियाधाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

करैरा में डंपर की टक्कर से तीन युवकों की मौत, एक गंभीर घायल पुलिस ने वाहन जब्त किया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के करैरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया यह दुर्घटना करैरा-भितरवार मार्ग पर ग्राम हाजीनगर के पास रात करीब 8:30 बजे हुई जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार डंपर करैरा की ओर से आ रहा था बताया गया कि वाहन तेज गति और लापरवाही से चलाया जा रहा था इसी दौरान डंपर ने सड़क पर मौजूद चार लोगों को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे में ग्राम हाजीनगर निवासी लोटन सिंह गुर्जर (पुत्र गजराज सिंह गुर्जर) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं दतिया जिले के धीरपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लेतरा निवासी रवि उर्फ रविन्द्र यादव (पुत्र बलवाना यादव) तथा केशव केवट (पुत्र बनमाली केवट) ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया तीनों की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया तथा गांव में मातम का माहौल है इस दुर्घटना में ग्राम हाजीनगर निवासी पैरू गुर्जर गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और उन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है घटना की सूचना मिलते ही करैरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए तथा मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं दुर्घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी एकत्र हो गए फरियादी राघवेन्द्र गुर्जर (पुत्र दशरथ गुर्जर), निवासी ग्राम हाजीनगर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है उन्होंने आरोप लगाया कि डंपर चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था जिसके कारण यह भीषण हादसा हुआ। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुर्घटना में शामिल डंपर को जब्त कर लिया है तथा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है करैरा पुलिस ने अपराध क्रमांक 384/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 125(ए), 281 और 106(1) के तहत प्रकरण कायम किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और ग्रामीणों ने सड़क पर भारी वाहनों की रफ्तार नियंत्रित करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

NSUI प्रदर्शन के बाद विवाद गहराया, विधायक देवेंद्र यादव का कुर्ता फाड़ने वाला वीडियो वायरल FIR दर्ज

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर एनएसयूआई के प्रदर्शन के बाद बिलासपुर में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है इस पूरे घटनाक्रम में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव एक नए विवाद में घिर गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें विधायक देवेंद्र यादव स्वयं अपने हाथों से अपना कुर्ता फाड़ते हुए नजर आ रहे हैं यह वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नई बहस शुरू हो गई है दरअसल, प्रदर्शन के दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया था कि पुलिस कार्रवाई के समय उनका कुर्ता फाड़ दिया गया हालांकि अब वायरल वीडियो में उनके स्वयं द्वारा कुर्ता फाड़ने की घटना सामने आने के बाद इस मामले को लेकर विरोधी दलों ने कांग्रेस पर सवाल खड़े किए हैं वहीं सोशल मीडिया पर भी लोग अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं यह प्रदर्शन 3 जून को एसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया था जिसमें बड़ी संख्या में छात्र और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए थे प्रदर्शनकारी केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद तोखन साहू के निवास का घेराव करने जा रहे थे लेकिन पुलिस ने पहले ही सांसद आवास के पास बैरिकेडिंग कर दी थी प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का उपयोग किया जबकि बाद में लाठीचार्ज भी करना पड़ा इस घटना में कई छात्र और कार्यकर्ता घायल हुए जिन्हें उपचार के लिए सिम्स अस्पताल ले जाया गया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 12 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था जिन्हें बाद में मुचलके पर रिहा कर दिया गया पुलिस का कहना है कि धक्का-मुक्की के दौरान कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह के अनुसार प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास में पुलिस को भी चोटें आईं इधर इस पूरे मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय, जिला शहर अध्यक्ष सिद्धांशु मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उन पर सार्वजनिक उपद्रव, बलवा, रास्ता रोकने, गैरकानूनी सभा और दंगा फैलाने जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (क्हस) की धारा 126(2), 190, 191(2), 292 और 293 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान जानबूझकर रास्ता बाधित किया गया और कानून व्यवस्था को प्रभावित किया गया इस पूरे घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल और अधिक गरमा गया है। एक ओर जहां विपक्ष इस प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बता रहा है वहीं सत्तापक्ष कानून व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप लगा रहा है वायरल वीडियो के सामने आने के बाद मामला और अधिक चर्चा में आ गया है और सोशल मीडिया पर भी यह मुद्दा तेजी से वायरल हो रहा है।

हुसैन टेकरी से अगवा 6 माह के मासूम का शिवपुरी पुलिस ने किया रेस्क्यू, इंदौर से दिल्ली ले जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रतलाम जिले के जावरा स्थित हुसैन टेकरी से अपहृत 6 माह के मासूम आयान को शिवपुरी पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया पुलिस की तत्परता से बच्चे को समय रहते बरामद कर लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई प्राप्त जानकारी के अनुसार अपहरणकर्ता महिला और उसका एक साथी बच्चे को इंदौर के रास्ते दिल्ली ले जाने की कोशिश कर रहे थे इस दौरान रतलाम पुलिस से मिली सूचना के आधार पर शिवपुरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच-46 पर पूरनखेड़ी टोल प्लाजा के पास सघन चेकिंग अभियान चलाया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया कोलारस एसडीओपी संजय मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार रात लगभग 12 बजे रतलाम पुलिस द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि संदिग्ध व्यक्ति एक मासूम बच्चे को लेकर इंदौर से दिल्ली की ओर जा सकते हैं सूचना मिलते ही शिवपुरी पुलिस अलर्ट हो गई और बदरवास क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी गई। इसके बाद कोलारस थाना एवं लुकवासा चौकी पुलिस को पूरनखेड़ी टोल प्लाजा पर वाहनों की जांच के लिए तैनात किया गया पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास किसी वाहन की स्पष्ट जानकारी नहीं थी, केवल संदिग्धों के फोटो और मोबाइल लोकेशन के आधार पर तलाश की जा रही थी।

7 दिनों तक गूंजा योग का मंत्र, मनेंद्रगढ़ में इंटीग्रेटेड योग शिविर का भव्य समापन

सैकड़ों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास, कलेक्टर ने कहा- योग स्वस्थ और संतुलित जीवन की आधारशिला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पतंजलि विश्वविद्यालय एवं भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर मनेंद्रगढ़ में आयोजित सात दिवसीय निःशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का शनिवार को भव्य समापन हुआ 31 मई से प्रारंभ होकर 6 जून तक चले इस शिविर में जिलेभर के सैकड़ों योग साधकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस जवानों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रतिदिन सुबह 5 बजे से 7 बजे तक आयोजित योग सत्रों में प्रतिभागियों ने योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। समापन समारोह का शुभारंभ कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर व्यक्ति को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देता है उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित योगाभ्यास अपनाने का आह्वान किया शिविर का संचालन पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव जी के मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में किया गया कार्यक्रम में केंद्रीय प्रभारी संजय अग्रवाल, नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, जिला योग प्रभारी सतीश उपाध्याय, योग साधक विवेक तिवारी, प्रवीण निशी, सीओ संजय शर्मा, एसी अविनाश अग्निहोत्री, सीसी आदेश कुमार दोहरे, पीसी बृजभूषण तिवारी, एपीसी राजीव सिंह तथा एसडीएम लिंगराज सिदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे लगभग 100 प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक भी योगाभ्यास में शामिल हुए। योगाचार्यों ने प्रतिभागियों को सूक्ष्म व्यायामों के अंतर्गत ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, कटि चालन, घुटना संचालन एवं टखना संचालन का अभ्यास कराया इसके अलावा ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, अर्धचक्रासन, पादहस्तासन, वज्रासन, शशांकासन, मंडूकासन, उष्ट्रासन, भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन, मकरासन, पवनमुक्तासन, सेतुबंधासन, अर्धमत्स्येन्द्रा, पश्चिमोत्तानासन एवं सूर्य नमस्कार जैसे विभिन्न योगासनों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, भ्रामरी, उद्गीथ, नाड़ी शोधन, शीतली, शीतकारी एवं उज्जायी प्राणायाम का भी अभ्यास कराया गया योग विशेषज्ञों ने ध्यान योग निद्रा और ओम् उच्चारण के माध्यम से मानसिक शांति तनाव मुक्ति एवं सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के उपाय बताए प्रतिभागियों को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, थायराइड, अस्थमा, जोड़ों के दर्द, तनाव और अनिद्रा जैसी जीवनशैली जनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए योग और प्राकृतिक जीवनशैली के महत्व की जानकारी भी दी गई समापन समारोह में उपस्थित सभी योग साधकों ने स्वस्थ, नशामुक्त, तनावमुक्त एवं संस्कारित समाज निर्माण का संकल्प लिया।

रीवा-हैदराबाद एक्सप्रेस को मिली मंजूरी इटारसी और नर्मदापुरम के यात्रियों को मिलेगा सीधा लाभ; नई ट्रेन की सौगात

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। विंध्य क्षेत्र के रीवा और दक्षिण भारत के हाईटेक शहर हैदराबाद को जोड़ने वाली एक नई ट्रेन की सौगात क्षेत्र को मिली है। यह नई रेल सेवा नर्मदापुरम और इटारसी होकर गुजरेगी, जिससे यहां के यात्रियों को आवागमन का एक नया और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी के विशेष प्रयासों से रीवा-सागर-नागपुर-हैदराबाद (चर्लपल्ली) नियमित ट्रेन (नंबर 20157/20158) को स्वीकृति मिली है। सांसद चौधरी ने इस नई ट्रेन के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से जनहित में मांग की थी। यात्रियों की बढ़ती मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय ने इस नई एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन

को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है।

विद्यार्थियों, युवाओं और व्यापारियों को होगा फायदा: सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने इस सौगात पर खुशी जताते हुए कहा कि नई ट्रेन सेवा के शुरू होने से होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र सहित पूरे नर्मदापुरम संभाग के लोगों को दक्षिण भारत (विशेषकर हैदराबाद) तक सीधी और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। इस कनेक्टिविटी से सबसे ज्यादा फायदा इन वर्गों को होगाः उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले विद्यार्थी आईटी और अन्य सेक्टर्स में रोजगार से जुड़े युवा दक्षिण भारत के साथ व्यापार करने वाले व्यापारी इलाज या पर्यटन के लिए जाने वाले आम यात्री मध्य प्रदेश और दक्षिण भारत का संपर्क होगा मजबूत सांसद ने आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में रेल यातायात को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए उनके प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। क्षेत्र की जनता के लिए यह नई रेल सेवा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है, जो मध्य प्रदेश और दक्षिण भारत के बीच सामाजिक और व्यावसायिक संपर्क को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

तस्करों की तरकीब नाकाम, बोलेरो से नशे की खेप जब्त

छत और सीट के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 173 किलो डोडाचूरा, 2 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर, (निप्र)। मंदसौर जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मल्हारगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से 173 किलो 380 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (डोडाचूरा) बरामद किया है। जब्त किए गए डोडाचूरा की अनुमानित कीमत लगभग 3 लाख 46 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर मल्हारगढ़-जीरन रोड स्थित भैसाखेड़ा क्षेत्र में एक सफेद रंग की महिंद्रा बोलेरो (MPvy BE 0668) को घेराबंदी कर रोका।

जब वाहन की सघन तलाशी ली गई, तो तस्करी का अनोखा तरीका सामने आया। आरोपियों ने

मादक पदार्थ छिपाने के लिए बोलेरो की छत और पीछे की सीट के नीचे विशेष गुप्त खाने (केबिन) बना रखे थे। इन्हीं खानों में भारी मात्रा में पीसा हुआ डोडाचूरा भरकर परिवहन किया जा रहा था।

शामगढ़ और पिपलियामंडी के दो आरोपी गिरफ्तार: गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जितेंद्र पिता मदनलाल लक्षकार (निवासी जवाहर मार्ग, शामगढ़) और राधेश्याम पिता बालाराम लक्षकार (निवासी बालागुड़ा, थाना पिपलियामंडी) के रूप में हुई है।

आंधी में गिरा पेड़, बाइक सवार नवविवाहित जोड़ा टकराया खंडवा में सिर के बल गिरने से पति की मौत 4 महीने पहले हुई थी शादी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा-इंदौर हाईवे पर छैगांवमाखन थाना क्षेत्र के ग्राम दोंदवाड़ा के पास शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात करीब 12 बजे आंधी के कारण सड़क पर गिरे पेड़ से एक बाइक टकरा गई। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार 22 वर्षीय युवक सावन मालाकार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी घायल हो गई। दोनों पति-पत्नी बड़वाह से अपने घर खंडवा लौट रहे थे। परिजनों के अनुसार, इस जोड़े की महज 4 महीने पहले ही शादी हुई थी। परिजनों के मुताबिक, मृतक सावन (निवासी गणेश तलाई, खंडवा) अपनी पत्नी को बाइक पर लेकर लौट रहा था। हाईवे पर आंधी के कारण एक पेड़ गिरा हुआ था, जो रात के अंधेरे की वजह से सावन को दिखाई नहीं दिया। अचानक बाइक सीधे पेड़ से जा टकराई। हादसे में सावन सिर के बल सड़क पर जा गिरा, जिससे उसे गहरी चोट आई और काफी रक्तस्राव होने से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में पत्नी को भी चोटें आई हैं।

खून से लथपथ पत्नी हाईवे पर मांगती रही मदद: हादसे के बाद घायल पत्नी अपने पति को उठाने की कोशिश करती रही। उसने हाईवे से गुजरने वाले लोगों से मदद मांगने का भी प्रयास किया, लेकिन आधी रात का वक्त होने के कारण सड़क पर ट्रैफिक बहुत कम था। अचेत पति को उठाने की जद्दोजहद में पत्नी भी खून से लथपथ हो गई। शनिवार दोपहर को हुआ पोस्टमार्टम, परिजनों को सौंपा शव शनिवार दोपहर को जिला अस्पताल स्थित मेडिकल कॉलेज में मृतक सावन के शव का पोस्टमार्टम किया गया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन और रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंच गए थे। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। महज 4 महीने पहले हुए विवाह के बाद इस दर्दनाक हादसे से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

घर में फांसी पर लटकी मिली 21 साल की युवती, कारण साफ नहीं

मीडिया ऑडीटर,सलामतपुर (निप्र)। सलामतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमुनिया में 21 साल की युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू की। आत्महत्या की वजह अभी पता नहीं चली है। पुलिस के मुताबिक मृतका रचना लोधी, उम्र 21 साल, पिता कमल सिंह लोधी, निवासी ग्राम जमुनिया है। घटना के समय घर पर परिवार के अन्य सदस्य नहीं थे। घर में रचना और उसका भाई बृजेश था। बृजेश के हाथों में कुष्ठ रोग है। भोपाल में इलाज चल रहा है। रचना ने भाई को कुछ पैसे दिए। अचार का डिब्बा लाने दुकान भेजा। बृजेश लौटा तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार आवाज लगाई। जवाब नहीं मिला। वह पीछे के रास्ते से अंदर गया। रचना को फांसी के फंदे पर लटका देखा। उसने गांव वालों को बताया। ग्रामीणों ने रचना को फंदे से उतारा। तुरंत निजी क्लीनिक ले गए। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी ने चौकी प्रभारी सुनील शर्मा को पुलिस बल के साथ मौके पर भेजा। पुलिस ने पंचनामा किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रायसेन भेजा। थाना प्रभारी के मुताबिक मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इसलिए कारण तुरंत साफ नहीं हो सका। रचना 12वीं तक पढ़ी थी। परिवार मजदूरी करता है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की स्थिति स्पष्ट होगी।

पी.जी. डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। राज्य शिक्षा केन्द्र अंतर्गत आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित एक वर्षीय सेवाकालीन प्रशिक्षण पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश पाठ्यक्रम का नवीन सत्र 1 जुलाई 2026 से शुरू होगा। योग्यता रखने वाले शिक्षक अपने आवेदन ऑनलाइन rsk.mponline.gov.in के माध्यम से 22 जून 2026 तक कर सकते हैं। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि योग्य एवं इच्छुक शिक्षकों के आवेदन एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आगामी 22 जून तक कराने के लिए सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया गया है। इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को अंग्रेजी भाषा शिक्षण की नवीन पद्धतियों, नवाचारों व भाषा के विभिन्न कौशलों से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इन शिक्षकों को अपने विद्यालयों में बेहतर अंग्रेजी भाषा शिक्षण एवं विभिन्न स्तरों पर आवश्यकतानुसार शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यपुस्तक लेखन एवं सामग्री निर्माण के कार्यों में भी नियोजित किया जाएगा। प्रदेश के शासकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ ऐसे योग्य व्याख्याता/उच्च श्रेणी शिक्षक/माध्यमिक शिक्षक जो न्यूनतम 50% अंकों से अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि रखते हों तथा जिनकी आयु 01जुलाई 2026 को 50 वर्ष से अधिक न हो और कम एक वर्ष का अंग्रेजी अध्यापन का अनुभव

कौशल विकास कार्यक्रम अंतर्गत निशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए आवेदन

आमंत्रित आवेदन की अंतिम तिथि 12 जून

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला पंचायत के खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड कार्यालय द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम अंतर्गत जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों से विभिन्न व्यवसायों के निशुल्क प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदक प्रशिक्षण के लिए httpsÑ//mpkhadigramodyog.com/ पोर्टल पर 12 जून 2026 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं को कंप्यूटर एकाउंट विथ टैली, इलेक्ट्रिशियन घरेलू उपकरण, मोटर वायरिंग, सोलर पैनल इंस्टालेशन, अगरबत्ती निर्माण, बेसिक सिलाई गारमेंट्स, फैशन डिजाइनिंग, प्लम्बर, राजमिस्त्री, बेकरी, लेदर फुटवियर, लेदर गुड्स, दोना पत्तल, लेदर फुटवियर ऑपरेटर, जरी जरदोजी, मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिशियन, कृत्रिम आभूषण निर्माण, कतिन बुनकर, इलेक्ट्रिशियन, इंडस्ट्रियल, हैंड एम्ब्रायडरी, जिग-जैग मशीन एम्ब्रायडरी, असिस्टेंट फैशन सेल्स, रिटेल सेल एसोसिएट, स्पिनिंग चरखा, फैब्रिक ड्राफ्टिंग, ट्राउजर कटिंग, जोधपुरी जैकेट, बाटिक प्रिंटिंग, टाई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटर, एडवांस फैशन डिजाइनिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, डीटीपी, प्लेन वीविंग, एडवांस वीविंग, बेसिक वीविंग, मधुमक्खी पालन इत्यादि व्यवसायों का निशुल्क प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

रुपए के लेनदेन विवाद में युवक को गोली मारी

पौड़ी गांव में फायरिंग; दाहिना हाथ में लगी गोली, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया थाना क्षेत्र के पौड़ी गांव में शुक्रवार शाम पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में गोली चल गई। इस घटना में एक युवक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिपरिया पुलिस ने शनिवार सुबह इस मामले में जानलेवा हमले का केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि पौड़ी गांव में भूसा मशीन के किराए के रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। फरियादी राहुल पूर्वीया पिता राधेश्याम निवासी नकटुआ ने शिकायत दर्ज कराई है कि राम

गुर्जर ने कट्टे से फायर किया, जिससे उसके दाहिने हाथ में गोली लग गई। घायल राहुल को तत्काल घटनास्थल से जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस शुक्रवार देर रात तक मामले की पड़ताल में जुटी रही और शनिवार सुबह राम गुर्जर सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

आरोपियों की तलाश जारी: प्रधान आरक्षक अरुण सिंह जू देव ने बताया कि शिकायत के अनुसार, राम गुर्जर के साथ उसका भाई और राहुल ठाकुर भी, इस दौरान मौजूद थे। पुलिस ने राम गुर्जर और अन्य के खिलाफ प्राण घातक हमले का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद से सभी आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

खेत में बने मकान में घुसा 5 फीट लंबा कोबरा कुप्पों के पीछे छिपा बैठा था

रेस्क्यू कर पकड़ा तो मारी फुफकार

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सागर,एजेंसी। सागर के भोपाल रोड पर एडिना कॉलेज के पास स्थित खेत में बने मकान में शुक्रवार को कोबरा घुस गया। सांप देख परिवार में हड़कंप मच गया। परिवार के सदस्य घर से बाहर आ गए। उन्होंने स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना दी। जानकारी मिलते ही स्नेक कैचर मौके पर पहुंचे। सांप का रेस्क्यू शुरू किया। सांप घर में रखे प्लास्टिक के कुप्पों के बीच छिपा बैठा था। जिसे कुछ देर की मशक्कत के बाद पकड़ लिया गया। जैसे ही स्नेक कैचर ने सांप को पकड़ा तो उसने जमकर फुफकार मारी। स्नेक कैचर बबलू पवार ने बताया कि भोपाल रोड पर डालचंद पटेल का मकान है। आसपास खेत लगे हुए है। शुक्रवार को मकान में सांप घुस गया। सूचना पर मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू कर सांप को पकड़ लिया। रेस्क्यू में पकड़ाया सांप कोबरा प्रजाति का है जो करीब 5 फीट लंबा है। सांप काफी पुराना है। कोबरा सांप बेहद जहरीला होता है। वर्तमान में गर्मी और बारिश का दौर शुरू होने वाला है। ऐसे में जीव-जंतु बिलों से बाहर निकलते हैं। ऐसे में लोगों को अपने घरों के आसपास साफ-सफाई करना चाहिए।

संवेदनशील एवं जनहितैषी शासन की पहल मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 18 हितग्राहियों को आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। गंभीर बीमारी एवं उपचार के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे जरूरतमंद नागरिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के 18 हितग्राहियों के खातों में सहायता राशि ई-पेमेंट के माध्यम से हस्तांतरित की गई। जारी सूची के अनुसार विभिन्न गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु जिले के पात्र आवेदकों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। सहायता राशि सीधे लाभार्थियों की सहायता हेतु बैंक खातों में ऑनलाइन माध्यम से भेजी गई, जिससे उन्हें उपचार एवं अन्य आवश्यक खर्चों में सहायता मिलेगी। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार लाभार्थियों में विदिशा सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों के नागरिक शामिल हैं, जिनका उपचार भोपाल एवं अन्य शहरों के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। स्वीकृत सहायता राशि का उपयोग मरीजों के उपचार, दवाइयों तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाएगा। उनकी जानकारी नुसार बासौदा निवासी मती दीपाली तिवारी पति अमित तिवारी को 25000, विदिशा नगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 8 निवासी मनोहर लाल तिवारी पिता लक्ष्मी नारायण तिवारी, विदिशा नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 निवासी हेमंत पिता अजय सिंह नरवरिया, गंजबासौदा निवासी खिलान सिंह पिता सुरेश कुशवाहा, सिरोंज नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17 निवासी रामभरोसी पिता तुलाराम अहिरवार और लटेरी निवासी मती शारदाबाई पति मोहन सिंह को अलग अलग 50-50 हजार रुपये की राशि जारी हुई है। इसके अलावा ग्राम करारिया अहमदपुर विदिशा निवासी धन्नालाल पिता हरिराम रैकवार, गंजबासौदा के वार्ड 08 निवासी सुसा पिता जगत सिंह रघुवंशी और विदिशा के ग्राम खेरुआ हाट निवासी मती कौशल्या बाई पति रामकिशन को को क्रमशः 45-45 हजार रुपये की राशि जारी हुई है। सिरोंज तहसील के बांसखेड़ी असपाल ग्राम के मुंशीलाल पिता राम सिंह, ग्राम मासेर गंजबासौदा की मती रचना बाई पति रामस्वरूप और कुरवाई के राकेश सिंह पिता जसवंत सिंह को अलग-अलग 65- 65 हजार की सहायता राशि जारी हुई है। विदिशा जिले के ग्राम कराखेड़ी निवासी बेबी ऑफ वैशाली कुर्मी पिता सौरभ कुर्मी और विदिशा जिले के ग्राम पीपलधार नटेरन निवासी मती मीराबाई पति लालाराम यादव को अलग-अलग 40-40 हजार रुपये की सहायता राशि जारी हुई है। विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम रैंकला निवासी मती आशा देवी माथुर पति सुनील कुमार और विदिशा तहसील के ग्राम ककराज निवासी मती भूरी बाई पति नवल सिंह को अलग-अलग 35-35 हजार की सहायता राशि जारी हुई है।

150 बारातियों से भरा ट्रक पलटा, 27 घायल खालवा के जंगल में मोड़ पर हादसा 8 की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के खालवा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बुरहानपुर जिले के ग्राम ढाबा से खालवा क्षेत्र के ग्राम चुनाखाल जा रहा बारातियों से भरा एक ट्रक आड़ाखेड़ा के जंगल क्षेत्र में अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक में सवार 27 बाराती घायल हो गए, जिनमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल 8 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, बारात लेकर जा रहा ट्रक सुबह करीब 10:30 बजे आड़ाखेड़ा जंगल के एक तीखे मोड़ पर पहुंचा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना अचानक हुआ कि ट्रक में सवार लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और

आसपास के ग्रामीण तुरंत सहायता के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए।

ट्रक में क्षमता से कई गुना अधिक लोग सवार: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक में करीब 150 बाराती सवार थे, जो निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक थे। हादसे के बाद ट्रक में फंसे लोगों को स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। कई लोग ट्रक के नीचे दबने से बाल-बाल बच गए।

ग्रामीणों और पुलिस ने संभाला मोर्चा: घटना की सूचना मिलते ही खालवा पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खालवा पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल इलाज शुरू किया। अधिकांश घायलों के सिर, चेहरे और हाथ-पैर में चोटें आई हैं।

8 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल भेजा: डॉक्टरों के अनुसार 27 घायलों में से 8 की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बाकी घायलों का इलाज खालवा अस्पताल में जारी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार घायलों की निगरानी कर रही है।

प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे अस्पताल: हादसे की सूचना मिलते ही खालवा तहसीलदार राजेश कोचले और नायब तहसीलदार विनोद यादव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही अस्पताल प्रबंधन को घायलों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

एमपीएसईडीसी के ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी प्रोग्राम 3.0 के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। प्रदेश के इंजीनियरिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवाओं को डिजिटल गवर्नेंस और आईटी परियोजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसईडीसी) द्वारा ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (जीईटी) प्रोग्राम 3.0 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 जून से प्रारंभ हो गई है, जो 16 जून 2026 तक जारी रहेगी।एमपीएसईडीसी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार आवेदन पत्र में संशोधन की सुविधा 9 जून से 17 जून तक उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन परीक्षा 1 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी और प्रवेश-पत्र 25 जून से डाउनलोड किए जा सकेंगे। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग की किसी भी शाखा अथवा कंप्यूटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी एवं समकक्ष विषयों

में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अंतिम सेमेस्टर में अध्ययनरत विद्यार्थी भी पात्र होंगे। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य निर्धारित की गई है।ऑनलाइन परीक्षा की अवधि 180 मिनट होगी, जिसमें 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्न-पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध रहेगा। परीक्षा में जावा, नेट, पीएचपी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, क्वालिटी एश्योरेंस और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी विषयों से संबंधित प्रश्न शामिल होंगे। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, क्वांटम कम्प्यूटिंग, चैटबॉट, वर्चुअल रियलिटी और बिग डेटा एनालिटिक्स जैसे विषयों को शामिल किया गया है। परीक्षा में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को ही योग्य माना जाएगा। मेरिट के आधार पर शीर्ष 150 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा, जबकि 50 अभ्यर्थियों की प्रतीक्षा सूची तैयार की जाएगी। परीक्षा शुल्क 800 रुपये (जीएसटी सहित) निर्धारित किया गया है।

भारतीय टेस्ट टीम तक पहुंचा मानव सुथार का संघर्ष

कर्ज लेकर बेटे के लिए बनवाई टर्फ पिच

नई दिल्ली एजेंसी। राजस्थान के श्रीगंगानगर से निकलकर भारतीय क्रिकेट टीम तक पहुंचने वाले युवा स्पिनर मानव सुथार की कहानी संघर्ष, समर्पण और सपनों को साकार करने की मिसाल बन गई है। 23 वर्षीय मानव सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भारतीय टीम के लिए पदार्पण कर अपने साथ-साथ अपने परिवार का भी सपना पूरा कर दिया। टेस्ट डेब्यू के मौके पर उन्हें भारतीय टीम के वरिष्ठ स्पिनर कुलदीप यादव ने टेस्ट कैप सौंपी। मानव सुथार का क्रिकेट सफर आसान नहीं रहा। साधारण परिवार से आने वाले इस युवा खिलाड़ी की सफलता के पीछे उनके पिता का त्याग और संघर्ष सबसे बड़ी ताकत रहा है। मानव के पिता जगदीश सुथार श्रीगंगानगर के एक सरकारी स्कूल में पीटीआई शिक्षक थे। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने बेटे को क्रिकेटर बनाने का सपना कभी नहीं छोड़ा। जब मानव ने क्रिकेट को गंभीरता से अपनाने का फैसला किया, तब उनके सामने अभ्यास के लिए उपयुक्त सुविधाओं की कमी सबसे बड़ी बाधा थी। उस समय श्रीगंगानगर में टर्फ पिच उपलब्ध नहीं थी। बेटे की प्रतिभा को निखारने के लिए जगदीश सुथार ने एक साहसिक कदम उठाया। उन्होंने घर के पास एक खाली जमीन किराए पर ली और वहां टर्फ पिच तैयार कराने का निर्णय लिया। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के बावजूद उन्होंने बैंक से कर्ज लेकर पिच का निर्माण कराया ताकि मानव को अभ्यास में किसी तरह की परेशानी न हो। मानव की मेहनत धीरे-धीरे रंग लाने लगी। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी गेंदबाजी की चर्चा तब और बढ़ गई जब उन्होंने वर्ष 2023 के वनडे विश्व कप के दौरान भारतीय टीम के नेट सत्र में दिग्गज बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को गेंदबाजी की। नेट्स में उनकी सटीकता और विविधता ने सभी को प्रभावित किया था। घरेलू क्रिकेट में भी मानव का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। उन्होंने वर्ष 2022 में राजस्थान की ओर से आंध्र प्रदेश के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था। अब तक 29 प्रथम श्रेणी मैचों में वह 129 विकेट हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा 25 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 34 विकेट दर्ज हैं, जबकि टी20 क्रिकेट में उन्होंने 25 विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट में निरंतर अच्छे प्रदर्शन का ही परिणाम था कि उन्हें इस वर्ष आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए पदार्पण करने का अवसर मिला। अब भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाकर मानव सुथार ने अपने क्रिकेट करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। उनका सफर यह साबित करता है कि मजबूत इरादे, कड़ी मेहनत और परिवार का समर्थन किसी भी सपने को हकीकत में बदल सकता है।

दूसरी बार फीफा विश्वकप खिताब जीतने उतरेगी इंग्लैंड : केन

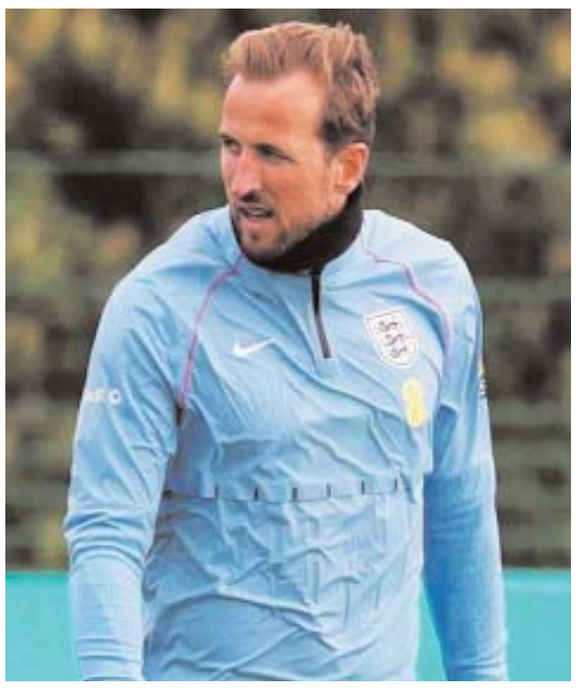

फ्लोरिडा एजेंसी। 11 जून से शुरु हो रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल की तैयारियों में लगी इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि उनका लक्ष्य दूसरी बार खिताब जीतना रहेगा।

इंग्लैंड ने अब तक एक बार ही ये खिताब जीता है। उसने साल 1996 में अपनी मेजबान के दौरान पश्चिम जर्मनी को हराकर ये खिताब जीता था। उसके बाद से ही टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। वहीं कोच थॉमस टुचेल के मार्गदर्शन में टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। विश्वकप के लिए इंग्लैंड टीम को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ शामिल किय गया है।

टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। विश्व कप से पहले टीम यहां हालातों के अनुसार ढ़लने के लिए अपने को तैयार कर रही है। टीम ने विश्वकप के लिए अपने कुछ खिलाड़ियों डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एज़े को आराम दिया गया है पर अब ये सभी टीम से फिर जुड़ गये हैं। कप्तान हैरी केन ने कहा कि टीम एकजुट है और उसका लक्ष्य विश्ककप में बेहतर प्रदर्शन करना है। यहां तक कि इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री बिल्डिंग द ड्रीम में भी दिखाया गया कि कोच टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर बात की थी। टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, हम यहां विश्व विजेता बनने आये हैं। हम एक और खिताब हासि करना चाहते है। हमारा लक्ष्य मिलकर खेलना और जीत हासिल करना है।कोच के अनुसार केवल प्रतिभा के आधार पर ही विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे अधिक जरुरी है। टुचेल ने कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे की तरह खेलते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को विजेता बनाती है।

आईपीएल फाइनल की रात माइकल क्लार्क का भीषण सड़क हादसा

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान का बड़ा खुलासा - बाल-बाल बची जान

अहमदाबाद एजेंसी। आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले के बाद जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का जश्न मना रही थी, वहीं उसी रात कई अप्रत्याशित घटनाएं भी सामने आई। गुजरात टाइटंस की टीम बस में आग लगने की घटना के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने खुलासा किया है कि वह भी उसी रात एक गंभीर सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में उनकी जान बच गई और उन्हें केवल मामूली चोटें आई। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की थी। मैच के बाद माइकल क्लार्क, जो टूर्नामेंट के आधिकारिक कमेंट्री पैनल का हिस्सा थे, एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान हाईवे पर उनकी कार एक बड़े ट्रेलर ट्रक से टकरा गई।

माइकल क्लार्क ने एक क्रिकेट पॉडकास्ट में इस दुर्घटना के बारे में विस्तार से बताया। उनके अनुसार हादसा आधी रात के बाद हुआ, जब वह कार की आगे वाली सीट पर बैठे हुए थे और झपकी ले रहे थे। इसी बीच उनकी कार सड़क पर चल रहे एक बड़े सेमी-ट्रेलर ट्रक के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन ट्रक के नीचे तक घुस गया। क्लार्क ने बताया कि दुर्घटना के बाद उनके चालक ने उन्हें बताया कि ट्रक की ब्रेक लाइट काम नहीं कर रही थी, जिसके कारण समय रहते ट्रक का अंदाजा नहीं लग पाया। उन्होंने कहा कि कार का सामने वाला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया था और डैशबोर्ड भी दबकर केबिन के भीतर आ गया था। टक्कर का प्रभाव इतना तेज था कि कार का अगला भाग अंदर की ओर धंसकर उनके पैरों तक पहुंच गया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने बताया कि उन्हें केवल मामूली खरोंचें और हल्की चोटें आई, लेकिन चालक को पैर में गंभीर चोट लगी। उन्हें आशंका है कि चालक के पैर की हड्डी में हल्का फ्रैक्चर हो सकता है। क्लार्क ने माना कि हादसा बेहद भयावह था और परिस्थितियां थोड़ी भी अलग होतीं तो परिणाम कहीं अधिक गंभीर हो सकते थे।

16 साल बाद घरेलू टेस्ट में नहीं देखने मिली अश्विन-जडेजा की जोड़ी

भारतीय स्पिन आक्रमण के नए दौर की शुरुआत

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के एक युग का अंत अब स्पष्ट रूसे दिखाई देने लगा है। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू हुए एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार ऐसा हुआ जब घरेलू मैदान पर भारत की प्लेइंग इलेवन में न तो रविचंद्रन अश्विन होंगे और न ही रविंद्र जडेजा। पिछले डेढ़ दशक से भारतीय टेस्ट टीम की स्पिन गेंदबाजी की धुरी रही इस जोड़ी की अनुपस्थिति भारतीय क्रिकेट में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत मानी जा रही है। करीब 16 वर्षों तक अश्विन और जडेजा ने घरेलू परिस्थितियों में विपक्षी टीमों के लिए मुश्किलें खड़ी कीं। दोनों ने मिलकर भारत को कई यादगार जीत दिलाई और स्पिन गेंदबाजी को टीम की सबसे बड़ी ताकत बनाया। हालांकि अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अश्विन ने वर्ष 2024 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड टेस्ट के बाद अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। उनके जाने के बाद जडेजा भारतीय टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिन ऑलराउंडर के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ इस टेस्ट के लिए उन्हें भी टीम में जगह नहीं मिली।

घरेलू मैदान पर अश्विन का रिकॉर्ड उनकी महानता को बयां करता है। वर्ष 2011 से 2024 के बीच उन्होंने भारत में 65 टेस्ट मैच खेले और 383 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा उन्होंने बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान देते हुए चार शतक और 1989 रन बनाए।

ऋषभ पंत के सामने करियर बचाने की चुनौती

अफगानिस्तान टेस्ट बन सकता है टर्निंग पॉइंट

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने करियर के एक बेहद अहम दौर से गुजर रहे हैं। मैदान के भीतर और बाहर कई कठिन चुनौतियों का सामना कर चुके पंत के सामने अब एक बार फिर खुद को साबित करने की चुनौती है। गंभीर कार दुर्घटना से उबरकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी करने वाले पंत अब खराब फॉर्म और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण दबाव में हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला एकमात्र टेस्ट उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईपीएल 2026 का सीजन ऋषभ पंत और उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स दोनों के लिए निराशाजनक रहा। बतौर कप्तान और बल्लेबाज वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल पंत न तो बल्ले से प्रभाव छोड़ पाए और न ही टीम को सफलता दिला सके। खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी गंवानी पड़ी। स्थिति यहीं नहीं रुकी। अफगानिस्तान के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम की उपकप्तानी भी उनसे वापस ले ली गई है। उनकी जगह केएल राहुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। यह फैसला साफ संकेत देता है कि टीम प्रबंधन अब प्रदर्शन के आधार पर जिम्मेदारियां तय करने के पक्ष में है। दिलचस्प बात यह है कि ऋषभ पंत को उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है, लेकिन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में देखने को मिला है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में लगातार उतार-चढ़ाव के बीच टेस्ट प्रारूप ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। हालांकि अब यहां भी उनकी जगह पूरी तरह सुरक्षित नहीं मानी जा रही है।

भारतीय क्रिकेट में विकेटकीपर बल्लेबाजों की प्रतिस्पर्धा पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गई है। केएल राहुल के अलावा ईशान किशन, संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल लगातार अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। ऐसे में पंत के लिए हर मैच और हर पारी बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। यदि अफगानिस्तान के खिलाफ उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिलता है तो यह उनके करियर का एक निर्णायक अवसर साबित हो सकता है। टेस्ट टीम में अपनी जगह मजबूत करने के लिए उन्हें बड़ी पारी खेलनी होगी। अगर इस प्रारूप में भी उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी राह और कठिन हो सकती है। पंत के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अब तक 49 टेस्ट मैचों में 3476 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.91 रहा है, जबकि उनके नाम 8 शतक और 18 अर्धशतक दर्ज हैं।

पूर्व तेज गेंदबाज तल्हा जुबैर को नया गेंदबाजी कोच बना सकता है बीसीबी

ढ़ाका एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) तल्हा जुबैर को नया गेंदबाजी कोच बना सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह 9 जून से शुरू हो रही तीन एकदिवसीय मैचों की घरेलू सीरीज से पहले ही उनको कोच की जिम्मेदारी दी जा सकती है। पूर्व तेज गेंदबाज जुबैर को घरेलू क्रिकेट में कोचिंग का लंबा अनुभव है। जुबैर को ऑस्ट्रेलिया के शॉन टेट की जगह ये जिम्मेदारी मिल रही है। इससे पहले टेट ने अचानक ही कोच पद छोड़ दिया था। टेट का कहना था कि वह अब अपना समय परिवार और बच्चों को देना चाहते हैं। पिछले एक साल से वह बांग्लादेश टीम से जुड़े हुए थे।

टेट ने कहा, बीसीबी और बांग्लादेश की टीम के साथ मेरे 12 महीने ठीक रहे। मैं बीसीबी का धन्यवाद करना चाहता हूं। मुझे खिलाड़ियों के साथ काम करने में आनंद आया। मेरा तेज गेंदबाजों से अच्छा तालमेल हो गया था। उनके साथ काम करना अच्छा रहा।उन्होंने साथ ही कहा कहा, मुझे नहीं लगता कि मेरा बांग्लादेश के साथ सफर यहीं खत्म हो गया है। यहां बीपीएल और अन्य अवसर भी हैं। भविष्य में क्या होगा, कोई नहीं जानता पर अभी मुझे लगता है कि परिवार को मेरी ज्यादा जरूरत है। साल भर चलने वाले टेस्ट और एकदिवसीय में कोच के तौर पर मैंने 12 महीने गुजार दिये हैं। अब समय आ गया है कि मैं परिवार के साथ भी रहूं।

गौरतल है कि टेट पिछले साल मई में ही बांग्लादेश टीम के कोच बने थे। उनको अगले साल एकदिवसीय विश्वकप 2027 तक टीम के साथ रहना था। उन्हें न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे एडम्स की जगह कोच बनाया गया था। उनके आने से बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। टीम ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-0 से जीती थी।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबग एजेंसी। अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है। यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं? हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है।

फीफा विश्वकप में ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलते दिखेंगे इटली के वोल्पाटो

सिडनी एजेंसी। इस बार ऑस्ट्रेलिया ने फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए अपनी नई टीम उतारी है। फीफा की इस टीम में 17 ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो पहली बार विश्व कप खेल सकते हैं और दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। टीम में इटली में रहने वाले ऑस्ट्रेलियाई मूल के खिलाड़ी क्रिस्टियन वोल्पाटो भी शामिल किया गया है। पहली बार विश्वकप खेलने जा रहे वोल्पाटो ने कहा था कि वह इटली की जगह ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलना चाहता है। इसी लिए उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। वोल्पाटो ने यूथ इंटरनेशनल स्तर पर इटली की ओर से खेला है। इसके अलावा स्ट्राइकर टेटे येंगी को भी शामिल किया गया है। येंगे अभी जापान में क्लब फुटबॉल खेलते हैं। इस खिलाड़ी ने भी अब तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। टीम की कप्तानी गोलकीपर मैट रयान और विंगर मैथ्यू लेकी करेंगे। ये दोनो ही बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं और चौथी बार विश्कवप खेलते दिखेंगे। टीम के मुख्य कोच टोनी पोपोविक है कि टीम चयन में कई बातों का ध्यान रखा गया है। कोच को टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

बीहर पुल खुला, लेकिन केसीसी ने इटौरा को बना दिया जाम का चौराहा!

डायवर्जन के पैसे बचाने की कीमत जनता चुका रही 19 किलोमीटर में रेंग रही जिंदगी, एम्बुलेंस तक हुई बेबस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बीहर नदी पुल पर शुक्रवार सुबह से वाहनों की आवाजाही शुरू होते ही लोगों को उम्मीद थी कि करीब दो महीने से चली आ रही यातायात की परेशानी खत्म हो जाएगी लेकिन राहत की यह उम्मीद जल्द ही निराशा में बदल गई पुल खुलने के कुछ ही घंटों बाद इटौरा क्षेत्र में ऐसा जाम लगा कि पूरा इलाका वाहनों के समुद्र में तब्दील हो गया सड़क पर फंसे लोगों के बीच एक ही सवाल गूंजता रहा क्या फोरलेन निर्माण में लगी केसीसी कंपनी को जनता की परेशानी दिखाई नहीं दे रही या फिर डायवर्जन और यातायात व्यवस्था पर खर्च होने वाले पैसे बचाने के लिए लोगों को जाम में झोंका जा रहा है स्थानीय लोगों का आरोप है कि रतहरा से चोरहटा तक लगभग 19 किलोमीटर लंबे निर्माण क्षेत्र में ट्रैफिक प्रबंधन पूरी तरह भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। कहीं अधूरी सड़क, कहीं उखड़ी हुई सतह, कहीं निर्माण सामग्री का अंबार और कहीं संकरे रास्ते। नतीजा यह कि सुबह से लेकर देर शाम तक वाहन रेंगते रहे और हजारों लोग सड़क पर फंसकर रह गए सबसे चिंताजनक तस्वीर तब सामने आई जब जाम में एम्बुलेंस वाहन और अन्य आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहन भी घंटों फंसे रहे मरीजों को लेकर निकल रही एम्बुलेंसें सायरन बजाती रहीं लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के बीच रास्ता नहीं मिल सका लोगों का कहना है कि यदि किसी मरीज की जान चली जाती तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेता प्रशासन निर्माण एजेंसी या फिर वह व्यवस्था जिसने समय रहते ट्रैफिक प्लान ही तैयार नहीं किया क्षेत्रवासियों का आरोप है कि करोड़ों रुपये की परियोजना पर काम कर रही कंपनी निर्माण की गुणवत्ता और यातायात व्यवस्था दोनों को लेकर सवालों के घेरे में है। जहां एक ओर सड़क निर्माण की रफ्तार अपेक्षित स्तर पर नहीं दिखाई दे रही वहीं दूसरी ओर सुरक्षित और सुगम डायवर्जन मार्ग तैयार करने में भी गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि वैकल्पिक मार्गों को व्यवस्थित किया जाता और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जाते तो इटौरा को इस तरह जाम की गिरफ्त में नहीं आना पड़ता विडंबना यह है कि जिस फोरलेन परियोजना को लोगों की सुविधा और तेज आवागमन के लिए बनाया जा रहा है वही परियोजना आज लोगों की परेशानी का कारण बनती दिखाई दे रही है। व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है लोग समय पर नहीं पहुंच पा रहे घंटों सड़क पर समय गंवाना पड़ रहा है अब सवाल केवल जाम का नहीं बल्कि जवाबदेही का है। क्या निर्माण एजेंसी के अधिकारियों ने कभी स्वयं इस मार्ग से गुजरकर लोगों की परेशानी देखी है क्या करोड़ों रुपये की परियोजना में ट्रैफिक प्रबंधन जैसी मूलभूत व्यवस्था की कोई कीमत नहीं है और आखिर कब तक जनता धूल जाम और अव्यवस्था का दंश झेलती रहेगी बीहर पुल खुलने के बाद शहर को राहत मिलने की उम्मीद थी लेकिन इटौरा का जाम यह बता रहा है कि समस्या पुल नहीं, बल्कि निर्माण कार्यों के दौरान अपनाई जा रही कार्यशैली है। यदि समय रहते हालात नहीं सुधरे तो यह जाम केवल असुविधा नहीं बल्कि किसी बड़े हादसे का कारण भी बन सकता है। अब निगाहें प्रशासन पर हैं कि वह जनता को राहत देता है या फिर सब कुछ कंपनी के भरोसे छोड़ देता है।

रिजफरो सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से बढ़ेगी फसल उत्पादकता, जलभराव की समस्या से मिलेगी राहत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बेहतर पैदावार और जल प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ रहा है। इसी क्रम में रिजफरो सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल किसानों के लिए एक उपयोगी यंत्र के रूप में सामने आया है, जो बुआई के साथ-साथ खेत में मेड़ और नाली बनाने का कार्य भी करता है। यह तकनीक विशेष रूप से सोयाबीन सहित मूंग, उड़द और अरहर जैसी फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जा रही है कृषि विशेषज्ञों के अनुसार दलहनी और तिलहनी फसलों को सामान्यतः कम पानी की आवश्यकता होती है। सोयाबीन की फसल भी इसी श्रेणी में आती है, लेकिन अधिक वर्षा या जलभराव की स्थिति में इन फसलों के पौधे गलने लगते हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। यह समस्या मूंग, उड़द, अरहर जैसी फसलों में भी देखने को मिलती है इस समस्या के समाधान के लिए रिजफरो सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल को अत्यंत उपयोगी बताया जा रहा है। यह यंत्र किसी भी ट्रैक्टर से आसानी से संचालित किया जा सकता है। इसके उपयोग से खेत में चार कतारों के साथ पतली मेड़ और नालियों का निर्माण एक साथ हो जाता है। फसल की बुआई मेड़ की ढलान पर की जाती है, जिससे फसल सुरक्षित रहती है और जल निकासी बेहतर होती है अधिक वर्षा होने पर नालियों के माध्यम से अतिरिक्त पानी खेत से बाहर निकल जाता है, जिससे पौधों में सड़न और गलन की समस्या नहीं होती। वहीं कम वर्षा की स्थिति में मेड़ों में संचित नमी पौधों के लिए उपयोगी सिद्ध होती है और उनकी वृद्धि में सहायक रहती है इसके अतिरिक्त इस तकनीक से खेत में अंतरवर्ती फसलों की खेती भी संभव हो जाती है। कतार से कतार और पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित होने से फसल का विकास समान रूप से होता है, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है कृषि विभाग द्वारा इस आधुनिक कृषि यंत्र की खरीद पर किसानों को अनुदान की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी और सुरक्षित बनाएं तथा उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रीवा कलाकार फाउंडेशन ने दिया सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वृक्षारोपण के साथ श्रमिकों व राहगीरों को पिलाया शीतल शरबत, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रीवा कलाकार फाउंडेशन द्वारा सेवा और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया तथा लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्यों ने भीषण गर्मी में कार्य कर रहे राजमिस्त्रियों, श्रमिकों एवं राहगीरों को शीतल शरबत पिलाकर राहत प्रदान की। साथ ही बिस्किट वितरित कर मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से श्रमिक वर्ग के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का अभियान नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया रीवा कलाकार फाउंडेशन के सदस्यों एवं उपस्थित नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और समाज सेवा के संकल्प के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने हरित, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 33 की पार्षद नजमा बेगम, समाजसेवी कविता पाण्डेय, विकास भाई, संजय तिवारी मुन्नू भइया, रीवा कलाकार फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर रॉय, प्रवीण दुबे, जावेद खान, जफर खान, राहुल सतना, महिला टीम से लवली, नेहा, संगीता पटेल, बिट्टू, अल्फी, रितिका, शालिनी सहित सैकड़ों युवा साथी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

NEET छात्रा की मौत, 16 दिन बाद कलेक्टर गांव पहुंचे : परिवार बोला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के बाद जागा प्रशासन, तब तक किसी ने सुध नहीं ली

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले के मंगनिया गांव की रहने वाली नीट छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी की मौत का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। आकांक्षा ने 20 मई को नागपुर में कथित पेपर लीक विवाद और आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के 16 दिन बाद शुक्रवार शाम मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन पीड़ित परिवार से मिलने उनके गांव पहुंचे परिवार ने प्रशासन की भूमिका पर जताई नाराजगी कलेक्टर के गांव पहुंचने पर परिजनों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। परिवार का कहना है कि जब तक मामला सोशल मीडिया और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में नहीं आया, तब तक किसी अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली। परिजनों ने कहा कि बेटी की मौत के बाद भी प्रशासन ने लंबे समय तक संपर्क नहीं किया, जिससे उन्हें उपेक्षा का अहसास हुआ परिवार के अनुसार आकांक्षा डॉक्टर बनना चाहती थी और उसकी पढ़ाई के लिए परिवार ने भारी आर्थिक संघर्ष किया। बताया जा रहा है कि परिवार पर करीब 15 से 20 लाख रुपए का कर्ज है। आर्थिक दबाव और भविष्य की चिंताओं के बीच यह दुखद घटना हुई, जिसने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। आकांक्षा की मौत के बाद यह मुद्दा राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस ने परिवार को लगभग ढाई लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से इस मामले को उठाते हुए परीक्षा व्यवस्था और संबंधित परिस्थितियों पर सवाल कर रहे हैं। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने आकांक्षा की मौत को हृदयविदारक बताते हुए परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के लिए संतान को खोना अपूरणीय क्षति है और जिला प्रशासन इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा है कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवार की परिस्थितियों पर संवेदनशीलता के साथ नजर रखी जाए और शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत उपलब्ध सहायता की जानकारी उन्हें दी जाए परिवार से मुलाकात के दौरान जिला पंचायत सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, एसडीएम एपी द्विवेदी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे प्रशासन ने परिवार को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है।

आकाशीय बिजली और सर्पदंश से बचाव के लिए परामर्श जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग द्वारा आकाशीय बिजली एवं सर्पदंश जैसी मौसमी एवं प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से नागरिकों को विभिन्न संचार माध्यमों से परामर्श दिया जा रहा है सचिव (गृह) एवं समन्वयक मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि मानसून अवधि में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएँ कई बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। नागरिकों को सलाह दी गई है कि मौसम में अचानक परिवर्तन, तेज गर्जना एवं बिजली की चमक को खतरे के संकेत के रूप में गंभीरता से लें। ऐसे समय में खुले स्थानों खेतों, जलाशयों, विद्युत खंभों तथा बड़े वृक्षों के नीचे रुकने से बचें तथा सुरक्षित भवनों में शरण लें। नागरिकों को आकाशीय बिजली संबंधी पूर्व चेतावनी प्राप्त करने के लिए दामिनी मोबाइल ऐप के उपयोग के लिये भी प्रेरित किया जा रहा है। किसानों एवं पशुपालकों को विशेष सतर्कता बरतने तथा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी गई है नागरिकों को वर्षा ऋतु के दौरान सर्पदंश से बचने के लिए भी परामर्श जारी किया गया है। वर्षा ऋतु में सर्पदंश की घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। जलभराव एवं प्राकृतिक आवास प्रभावित होने के कारण साँप मानव बस्तियों के समीप आ सकते हैं ऐसी परिस्थितियों में घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखना झाड़ियों एवं कबाड़ को हटाना जूते एवं कपड़ों को उपयोग से पूर्व सावधानीपूर्वक जांचना तथा खेतों, जंगलों एवं जल स्रोतों के समीप अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक है। सर्पदंश की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र ले जाने तथा किसी भी प्रकार के अंधविश्वास अथवा अप्रमाणित उपचार से बचने की सलाह दी गई है।

वर्षाकाल से पहले नगर निगम ने तेज की नाला-नालियों की सफाई, जलभराव रोकने विशेष अभियान जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम रीवा द्वारा शहर में जलभराव की समस्या से निपटने तथा स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक स्तर पर नाला एवं नालियों की सफाई अभियान चलाया जा रहा है नगर निगम महापौर एवं निगमायुक्त के निर्देशानुसार विभिन्न वार्डों में बड़े नालों और नालियों की नियमित सफाई कराई जा रही है ताकि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े नगर निगम की नाला गैंग द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर वर्षों से जमा गाद, कचरा, झाड़ियां एवं अन्य अवरोधों को हटाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 02 स्थित विंध्य बिहार कॉलोनी में गायत्री स्कूल के पीछे स्थित बड़े नाले की सफाई कराई गई। सफाई कार्य के दौरान नाले में जमा गाद, प्लास्टिक कचरा तथा अन्य अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुगम बनाया गया। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 16 में लाल घाट के नीचे स्थित बड़े नाले में उगे पेड़, झाड़ियां और खरपतवार को हटाकर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। नगर निगम के कर्मचारियों ने मशीनों एवं श्रमिकों की सहायता से नाले की सफाई कर जल निकासी को बेहतर बनाने का प्रयास किया इसके अलावा वार्ड क्रमांक 36 में प्रेमलाल सोनी के घर से लेकर मनीष श्रीवास्तव के घर के पीछे स्थित नाले की भी सफाई कराई गई। वहीं वार्ड क्रमांक 20 स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र में नालियों की सफाई कर कचरे और गाद को बाहर निकाला गया। सफाई के दौरान निकले मलबे एवं कचरे का तत्काल टेंपो और ट्रैक्टर के माध्यम से उठाव कराया गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनी रहे और दुर्गंध की समस्या उत्पन्न न हो। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि वर्षा ऋतु से पहले शहर के सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जलभराव, मच्छरों के प्रकोप तथा गंदगी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम करना है नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे नालों एवं नालियों में कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री न डालें तथा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करें। निगम प्रशासन का कहना है कि नागरिकों के सहयोग से ही स्वच्छ और जलभराव मुक्त रीवा का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सीईओ जिला पंचायत ने शासकीय आवास में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) मेहताब सिंह गुर्जर ने गत दिवस अपने शासकीय आवास पर पौधारोपण किया। यह आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया गया सीईओ ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए जिले भर में विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपित किए जा रहे हैं और इस पहल का उद्देश्य नागरिकों में जागरूकता फैलाना है सीईओ ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती है। बढ़ते प्रदूषण और घटती हरियाली के बीच छोटे-छोटे प्रयास भी बहुत महत्वपूर्ण हैं उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे घरों, स्कूलों कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उन्हें संरक्षित करें। सीईओ ने बताया कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हर नागरिक को कम से कम एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने की प्रेरणा दी जा रही है इस अवसर पर जिला पंचायत के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने पौधारोपण की प्रक्रिया में सीईओ का सहयोग किया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि जिले भर में विद्यालयों, पंचायत भवनों, सार्वजनिक पार्कों और शासकीय कार्यालयों में भी पौधारोपण किया जाएगा सीईओ ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं है, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता पैदा करना भी है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वृक्ष न केवल वायु को शुद्ध करते हैं बल्कि जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता और जैव विविधता के लिए भी आवश्यक हैं इस अवसर पर सीईओ ने स्थानीय मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ाने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिले के नागरिकों और संगठनों की भागीदारी से रीवा को हरित और स्वच्छ जिला बनाने में मदद मिलेगी कार्यक्रम का समापन पौधारोपण के बाद सभी उपस्थित अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने के साथ किया गया। इस पहल के माध्यम से जिला प्रशासन ने यह संदेश दिया कि पर्यावरण की सुरक्षा और संवर्धन में हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

आदिवासी एसपी ऑफिस पहुंचे, बोले- खनिज माफिया रिवॉल्वर दिखाकर धमकाता,पुलिस कार्रवाई नहीं करती

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज। (निप्र)। मऊगंज जिले में खनिज माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। सरदमन गांव के आदिवासी परिवारों ने अवैध खनन और अंधाधुंध ब्लास्टिंग को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं ग्रामीणों का कहना है कि विरोध करने पर उन्हें रिवॉल्वर और राइफल दिखाकर डराया-धमकाया जाता है शनिवार को करीब दो दर्जन महिला-पुरुष अपनी फरियाद लेकर एसपी दफ्तर पहुंचे और कलेक्टर-एडिशनल एसपी को अपनी शिकायत सौंपी सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जमकर शेयर हो रहा है, जिसमें एक खनिज माफिया आदिवासियों को धमकी देते हुए कह रहा है, 'राइफल मेरी सुरक्षा के लिए है, तेरे लिए 500 रुपए की गोली थोड़ी खर्च करूंगा। थाली में गिरते हैं ब्लास्टिंग के पत्थर गांव की एक 80 साल की बुजुर्ग महिला ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासन से मदद की मांग की। उन्होंने रोते हुए बताया कि ब्लास्टिंग के दौरान पत्थर सीधे उनके घरों तक आकर गिरते हैं। कई बार तो खाना खाते समय थाली में भी पत्थर आ जाते हैं ब्लास्टिंग के वक्त उन्हें जबरन घरों से बाहर निकाल दिया जाता है, जिसके कारण छोटे बच्चों को अपनी जान बचाने के लिए कई किलोमीटर दूर पेड़ों के नीचे पूरा दिन बिताना पड़ता है बुजुर्ग महिला ने नेताओं और अधिकारियों पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अगर विधायक हमारी सुनते तो हमारा घर क्यों उजड़ता गांव की महिलाएं एएसपी से मिलने पहुंची इंव की महिलाएं एएसपी से मिलने पहुंची बंदूक की नोक पर कराया जा रहा अवैध खनन ग्रामीणों का आरोप है कि सीधी जिले के हरदी में चलने वाले सिद्धिविनायक स्टोन क्रेशर मऊगंज के सरदमन गांव की बालाजी माइंस से पत्थर निकाल रहा है। आरोप है कि तय सीमा से बाहर जाकर उस जगह पर अवैध खनन किया जा रहा है, जहां सालों से आदिवासी परिवार रह रहे हैं गांव के लोगों ने माफिया पर बंदूक दिखाकर धमकाने का आरोप लगाया है गांव के लोगों ने माफिया पर बंदूक दिखाकर धमकाने का आरोप लगाया है ग्रामीणों ने हरियाणा के रहने वाले चिंटू सिंह, सोनू सिंह, रणवीर सिंह और कल्लू सिंह पर आरोप लगाया कि ये लोग गांव में हथियार लेकर घूमते हैं और किसी भी समय ब्लास्टिंग शुरू करवा देते हैं सरदमन के रहने वाले नागराज सिंह ने बताया कि विरोध करने पर उन्हें बंदूक दिखाकर जबरदस्ती घरों से निकाल दिया जाता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।